email:mahanadisuperfast20@gmail.com

२ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ .का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

वर्ष:3 अंक:283 | कटक शनिवार 01 अप्रैल 2023 | मूल्य रु.2.00 R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

रिपोर्टर चाहिए

ओडिशा और छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक हिंदी समाचार पत्र महानदी सुपरफास्ट के लिए ओडिशा के हर जिला, मुख्यालय और ब्लॉक स्तर के रिपोर्टर की आवश्यक है। इच्छुक उम्मीदवार कृपया email:mahanadisuperfast20@gmail.com पर संपर्क करें।

कानपुर में 800 से ज्यादा कपड़ा दुकानों में भीषण आग, 6 कॉम्प्लेक्स पूरी तरह से जले, सेना ने संभाला मोर्चा

कानपुर। कानपुर के बांसमंडी स्थित एआर टावर में देर रात 1.30 बजे शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से 6 कॉम्प्लेक्स की करीब 800 दुकानें पूरी तरह से जलकर राख हो गईं। जिससे अरबों रुपए के नुकसान होने की आशंका है। आग लगने की जानकारी मिलते ही पूरा प्रशासन हरकत में आ गया। सेना, एयरफोर्स, पुलिस और फायर ब्रिगेड के जवानों ने मोर्चा संभाला है। कानपुर, उन्नाव, लखनऊ समेत आस-पास के कई जिलों की 50 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं। होलसेल मार्केट में लगी आग 9 घंटे बाद भी नहीं बुझाई जा सकी है। कॉम्प्लेक्स में रुके एक शख्स के मिसिंग होने की जानकारी सामने आई है।

आग सबसे पहले एआर टावर में दुकानों के बाहर रखे सामान में लगी। तेज हवाओं के कारण आग ने पल भर में ही कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद देखते ही देखते पूरा तीन मंजिला टावर धधकने लगा। इसके बाद आग हमराज कॉम्प्लेक्स, नफीस

टावर, अर्जुन कॉम्प्लेक्स, मसूद कॉम्प्लेक्स-1 और मसूद कॉम्प्लेक्स-2 तक फैल गई। इन 6 कॉम्प्लेक्स से आग की लपटें और धुआं अभी भी उठ रहा है।

नफीस टावर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया है। इस टावर में भी आग लगी है। आग ने बैंक को भी अपनी चपेट में ले लिया है। व्यापारी रवि शंकर दुबे ने बताया कि 800 से ज्यादा दुकानें जली हैं। आग से 20 अरब यानी दो हजार करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

एआर टावर में रुका एक व्यक्ति लापता

एआर टावर में काम करने वाले ज्ञान प्रकाश लापता हैं। उनकी पत्नी का कहना है कि अभी उनका पता नहीं चल सका है। ज्ञान प्रकाश से साथी ने बताया कि हम 6-7 लोग चौथे फ्लोर पर रात 12 बजे सोने गए थे। एक बजे के बाद

आग लगी। आग लगने के बाद हम सभी बाहर आ गए। लेकिन, 40 साल के ज्ञान का पता नहीं चल रहा है। ज्ञान की तलाश के लिए फायर फाइटर्स ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ मास्क लगाकर ऋटावर में घुसे हैं।

आसपास के जिलों से बुलाई गई फायर ब्रिगेड

कानपुर, उन्नाव और लखनऊ समेत कई जिलों की 50 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं। सेना के साथ एयर फोर्स की टीम भी आग पर काबू पाने में जुटी है। कानपुर पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड, जॉइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी और डीएम मौके पर मौजूद हैं।

जॉइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी का कहना है कि टीम आग बुझाने में जुटी है। कपड़े की मार्केट है तो आग तेजी से फैली। अगल-बगल

आग सबसे पहले एआर टावर में दुकानों के बाहर रखे सामान में लगी। तेज हवाओं के कारण आग ने पल भर में ही कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद देखते ही देखते पूरा तीन मंजिला टावर धधकने लगा।

लकड़ी की मार्केट है। तंग रास्ते हैं, आसपास काफी बिल्डिंग हैं। ऐसे में आग और न फैले इसका ध्यान रखा जा रहा है।

एक किलोमीटर के एरिया को सील किया गया

कानपुर बांसमंडी में अग्निकांड के चलते करीब 1 किमी का दायरा सील कर दिया गया है। कोपरगंज चौराहा, बांसमंडी चौराहा और डिप्टी पड़ाव चौराहा से बांसमंडी कपड़ा बाजार को जाने वाले सभी रास्तों को बैरिकेड कर दिया गया है।

मंदिर में हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 35 हुयी

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर के बेलेश्वर मंदिर परिसर में रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने के कारण हुए हादसे में आज सुबह तक मृतकों की संख्या बढ़कर 35 हो गयी। राहत एवं बचाव कार्य सुबह भी जारी हैं।

इस बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा सुबह विशेष विमान से भोपाल से इंदौर पहुंचे। वे यहां घटनास्थल भी जाएंगे और स्थिति का जायजा लेंगे। वे घायलों का हालचाल जाने अस्पताल भी जाएंगे। कम से कम एक दर्जन घायल यहां अस्पताल में भर्ती हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कल देर रात तक 13 लोगों के शव कुए से निकाले गए थे। रात भर और सुबह तक चले राहत एवं बचाव कार्य में शवों की संख्या 35 हो गयी। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। अभी कुछ और लोगों के फसे होने की आशंका है और बावड़ी का पानी खाली करने के साथ ही राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है।

रामनवमी के अवसर पर एक निजी कॉलोनी में स्थित बेलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की जा रही थी। मंदिर परिसर में पुरानी बावड़ी थी। इसको छत बनाकर ढक दिया गया था। इस पर श्रद्धालु चला करते थे। कल पूजा अर्चना के दौरान अनेक लोग इस पर खड़े थे। तभी यह छत दिन में लगभग 12 बजे भर भराकर बावड़ी में गिर गयी। इसके बाद घटनास्थल पर हाहाकार मच गया। दोपहर में ही रस्सियों आदि की मदद से राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किए गए थे।

मुख्यमंत्री ने इस घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने इस संपूर्ण मामले दंडाधिकारीय जांच के आदेश दे दिए हैं।

केजरीवाल सरकार ने कोरोना योद्धाओं को दिया बड़ा झटका

अप्रैल से 1 करोड़ की सम्मान राशि होगी बंद

नई दिल्ली। कोरोना योद्धाओं को दिल्ली सरकार की ओर से दी जाने वाली एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि योजना 3 अप्रैल के बाद बंद हो जाएगी। दिल्ली सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी कर कहा है कि विभागों की तरफ से अभी तक पुराने-पुराने मामलों में कोरोना योद्धाओं को सम्मान राशि देने के लिए प्रस्ताव आ रहे है, इसलिए ये फैसला लिया गया है। दरअसल, दिल्ली सरकार ने कोरोना के दौरान अपनी जान की परवाह किए बगैर कोरोना संक्रमितों की सेवा करने वाले लोगों के लिए इस सम्मान राशि की शुरुआत की थी। सरकार का कहना था कि ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले कोरोना योद्धाओं को एक करोड़ की सम्मान राशि उनके परिवार को मिलेगी। जानकारी के मुताबिक, अभी तक कुल 70 से अधिक लोगों को यह सम्मान राशि दी भी जा चुकी है। मगर सरकार ने पाया कि करीब दो साल बीत जाने के बाद भी कोरोना योद्धाओं के लिए सम्मान राशि को लेकर विभागों की ओर से प्रस्ताव आ रहे हैं। अभी तक कोरोना योद्धाओं की सम्मान राशि को लेकर विभागों की ओर से आ रहे

प्रस्तावों को लेकर कैबिनेट में चर्चा हुई थी, जिसके बाद बीते 20 मार्च को एक आदेश जारी करके कहा गया है कि इस निर्देश के जारी होने के बाद अगले दो सप्ताह में कोरोना योद्धा सम्मान राशि के लिए जो प्रस्ताव आएंगे उसी पर विचार किया जाएगा।

अमृतपाल की तलाश में 300 डेरों में सर्च ऑपरेशन, एमपी सिमरनजीत मान बोले- सरेंडर न करे

अमृतसर। 18 मार्च को फरारी के बाद अमृतपाल ने 13वें दिन दूसरा वीडियो जारी कर सरेंडर करने की बात से इनकार किया। वारिस पंजाब दे का चीफ खालिस्तान समर्थक अमृतपाल 14वें दिन भी फरार है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अमृतपाल के धार्मिक स्थलों में छुपने का इनपुट मिला है। जिसके बाद अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर समेत पंजाब के सभी धर्मस्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पंजाब के 300 से ज्यादा डेरों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस के टारगेट पर जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर और बठिंडा के डेरे हैं। इसके लिए ड्रोन की भी मदद ली जा रही है। पुलिस एक स्विफ्ट कार की तलाश कर रही है। जिसमें होशियारपुर में इनोवा छोड़ अमृतपाल फरार हुआ। वहीं संगरूर से शिअद (अमृतसर) के सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने कहा कि अमृतपाल को सरेंडर नहीं करना चाहिए। उसने गलती की। साथ में ही बॉर्डर था, नेपाल जाने की क्या जरूरत थी, रावी पार कर पाकिस्तान चला जाता। हम 1984 के बाद भी गए थे। जिंदगी खतरे में हो और सरकार ऐसा जुल्म करती हो तो सिख इतिहास में यह सब जायज है। उधर गुरूवार को 28 घंटे में अमृतपाल का दूसरा वीडियो सामने आया। जिसमें अमृतपाल ने कहा कि मैं विदेश नहीं भागूंगा। जल्द ही लोगों के सामने आऊंगा। अमृतपाल ने कहा कि मैं भगौड़ा नहीं हूं, बस बगावत के दिन काट रहा हूं। इससे पहले बुधवार को अमृतपाल का पहला वीडियो और गुरूवार को ही ऑडियो भी सामने आ चुकी है। अमृतपाल का दूसरा वीडियो कैनेडा, च, ऑस्ट्रेलिया, दुबई, जर्मनी, अमेरिका के 8 IP एड्रेस से इंटरनेट पर डाला गया है।

सरबत खालसा को ढाल बना रहा अमृतपाल!

अमृतपाल को लेकर अब खुफिया एजेंसियों को शक है कि वह सरबत खालसा (सिख धर्मसभा) को ढाल बनाना चाहता है। यही वजह है कि वह सीधे सिखों के सर्वोच्च श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को चैलेंज कर रहा है। अमृतपाल ने जत्थेदार को कहा कि अगर उन्हें वहीर निकालनी है तो इसे श्री अकाल तख्त, अमृतसर से शुरू करे और बठिंडा के तलवंडी साबो स्थित तख्त श्री दमदमा साहिब में सरबत खालसा में खत्म करे। अमृतपाल ने यहां तक कह दिया कि जत्थेदार पर परिवारवाद के आरोप लगते हैं। सरबत खालसा बुलाकर वे इस इल्जाम से मुक्ति पा सकते हैं।

सड़क हादसे में छह बारातियों की हुई मौत

संबलपुर। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में गुरुवार देर रात एक वाहन के नहर में गिर जाने से छह बारातियों के की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गये जबकि एक लापता है। सभी मृतक झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर प्रखंड अंतर्गत बरधरा गांव के रहने वाले हैं और मृतकों में दो मृतक एक परिवार के भाई हैं। सूत्रों ने बताया कि दोनों घायलों को संबलपुर जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और सभी मृतकों के शवों को संबलपुर जिला मुख्यालय अस्पताल में रखा गया है। सूत्रों ने बताया कि बारात के ग्यारह सदस्य वाहन में सवार होकर संबलपुर के परमापुर गांव से झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर प्रखंड के बाराधरा गांव लौट रहे थे तभी यह हादसा हो गया। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चला है। वाहन का चालक लापता है। उसका

पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। चालक का पता लगने के बाद ही हादसे के बारे में स्पष्ट तस्वीर सामने आ सकेगी। घटना का विवरण देते हुये जीवित बचे लोगों में से एक ने कहा कि वाहन में 11 लोग सवार थे। हालाँकि बारात के लगभग 80 सदस्य पाँच से छह वाहनों में दूल्हे के साथ गए थे, लेकिन शादी की रस्में शुरू होने से पहले ही यह वाहन विवाह समारोह से निकल गया।

यूट्यूबर मनीष कश्यप की बढ़ी मुश्किलें, अब तमिलनाडु की अदालत ने तीन दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा

मदुरै। तमिलनाडु में प्रवासी मजदूरों को लेकर फर्जी वीडियो शेयर करने के मामले में यूट्यूबर मनीष कश्यप की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। तमिलनाडु पुलिस ने मनीष कश्यप को गुरुवार को मदुरै की अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। इससे पहले, थिंक अपराध इकाई (ईओयू) ने मनीष से पांच दिनों तक पूछताछ की थी।

18 मार्च को हुआ था गिरफ्तार

बता दें कि फर्जी वीडियो के मामले में बिहार पुलिस ने मनीष कश्यप को बेतिया से 18 मार्च को गिरफ्तार किया था। बिहार पुलिस के मुताबिक, पुलिस और ईओयू उसके घर को कुर्क करने की प्रक्रिया में

थी, तभी उसने बेतिया के जगदीशपुर थाने में सरेंडर कर दिया। ईओयू ने मनीष और अन्य आरोपियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर तमिलनाडु में प्रवासी मजदूरों की कथित पिटाई को लेकर फर्जी वीडियो शेयर करने के मामले में केस दर्ज किया था।

कुर्की के डर से किया सरेंडर

बिहार पुलिस और ईओयू की तरफ से जारी बयान में कहा गया, मजदूरों की पिटाई के फर्जी वीडियो शेयर करने के मामले में मनीष कश्यप को बिहार और तमिलनाडु पुलिस से वांटेड घोषित किया गया था। घर की कुर्की के डर से उसने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

इससे पहले, तमिलनाडु के कोयम्बटूर में प्रवासी श्रमिकों पर कथित रूप से हमला करने के आरोप में हिंदू मुन्नानी संगठन के दो सदस्यों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

झूठे आरोप लगाए गए-मनीष कश्यप-वहीं, यूट्यूबर मनीष कश्यप ने सफाई पेश की है। मनीष ने कहा कि मैंने किसी के बारे में कुछ गलत नहीं बोला है। मुझ पर राजनीतिक आरोप लगाए गए हैं। सारे आरोप झूठे हैं। मैंने सिर्फ मजदूरों की आवाज उठाई है।

दिल्ली-यूपी समेत इन राज्यों में होगी बारिश, मौसम विभाग का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में गुरुवार को मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। देखते-ही-देखते काली घटाएं छा गईं और तेज हवा के साथ बारिश होने लगी। कई जगह ओले भी गिरे, जिससे तापमान में गिरावट हुई। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में इस स्थिति की कोई संभावना नहीं जताई गई थी। हालांकि, कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की बात जरूर कही गई थी। आज भी मौसम विभाग ने तेज हवा के साथ बारिश और ओलावृष्टि होने की संभावना व्यक्त की है।

इन राज्यों में आज हो सकती है ओलावृष्टि

मौसम विभाग ने आज हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पूर्वी राजस्थान में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की है। इसके साथ ही, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छिटपुट या भारी बारिश हो सकती है।

पूर्वी भारत में 31 मार्च से लेकर 2 अप्रैल के दौरान पूर्वी भारत में गरज, चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और ओडिशा में आज छिटपुट ओलावृष्टि होने की संभावना व्यक्त की गई है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत के असम और मेघालय में 31 मार्च से दो अप्रैल के दौरान भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में एक और दो अप्रैल को भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

15 वर्षों में तीसरा सर्वाधिक वर्षा वाला

महीना रहा मार्च

दिल्ली में मार्च का महीना 15 वर्षों के दौरान तीसरा सर्वाधिक बारिश वाला रहा है। माह की औसत सामान्य वर्षा 17.1 मिमी है, जबकि गुरुवाररात साढ़े बजे तक यह 51.8 मिमी, यानी 300 प्रतिशत से भी ज्यादा पहुंच गई। अगर पिछले 15 वर्षों की बात की जाए तो 10 बार भी मार्च में वर्षा सामान्य नहीं रही है। इस वर्ष मार्च में भी तीन बार राजधानी सूखी ही रही, जबकि सात बार औसत से काफी कम वर्षा दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने जारी किया आरेंज अलर्ट

शुक्रवार के लिए पहले जहां यलो अलर्ट जारी किया गया था, उसे बाद में आरेंज अलर्ट में बदल दिया गया। गुरुवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 33.4 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 17.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 37 से 94 प्रतिशत रहा। बीच-बीच में कहीं-कहीं हल्की बारिश भी होती रही।

आज भी छाए रहेंगे बादल

स्काईमेट वेदर के मुताबिक, मौसम में बदलाव की वजह एक के बाद एक सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ और अन्य मौसमी गतिविधियां हैं। यह दौर अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक जारी रह सकता है। आज भी बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ बारिश हो सकती है। कहीं-कहीं ओले भी पड़ सकते हैं।

17 उड़ानों को किया गया डायवर्ट

बिगड़े मौसम के कारण गुरुवार देर शाम तक दिल्ली आ रही 17 उड़ानों को नई दिल्ली के बजाय अलग-अलग जगहों पर डायवर्ट करना पड़ा। प्रभावित उड़ानों में विदेश से आ रही उड़ानें भी शामिल हैं। जिन विमानों को डायवर्ट किया गया है, उनमें आठ को जयपुर, आठ को लखनऊ व एक को देहरादून भेजा गया। इनमें मुंबई, उदयपुर, श्रीनगर जबलपुर, मदुरई, कोयम्बटूर व अन्य स्थानों से आ रही उड़ानें शामिल हैं।

संपादकीय

ममता को मुस्लिम वोट की चिंता

तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राज्य के करीब ३० फीसदी अल्पसंख्यक वोटों की चिंता सता रही है। उनको लग रहा है कि भाजपा और संघ के प्रति सद्भाव दिखाने की उनकी रणनीति बैकफायर कर रही है। राज्य की मुस्लिम बहुल सागरदिघी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस के हाथों मिली हार ने उनको बेचैन कर दिया है। तभी वे कांग्रेस पर भी भड़की थीं। हालांकि अब ऐसा लग रहा है कि उन्होंने भाजपा के साथ सद्भाव दिखाने की रणनीति छोड़ कर कांग्रेस की ओर हाथ बढ़ाया है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने सरकारी मदद और अन्य उपायों से अल्पसंख्यकों को खुश करने का प्रयास भी शुरू किया है। इसके लिए उन्होंने पहला काम यह किया है कि राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री को हटा दिया है।ममता बनर्जी ने अपनी सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद गुलाम रब्बानी को हटा कर दूसरे विभाग में भेज दिया है। अब अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय वे खुद संभालेंगी। यह ममता का बड़ा दांव हैं। ध्यान रहे ममता को मुस्लिमपरस्त साबित करने के लिए भाजपा उनको ममता बानो कहती रही है। अब अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय संभालने से भाजपा के लिए ऐसे आरोप लगाना और आसान हो जाएगा। लेकिन ममता को लग रहा है कि उनकी पहली चिंता ३० फीसदी वोट बचाने की है। तभी मंत्रालय संभालने के साथ ही उन्होंने अल्पसंख्यक विकास बोर्ड और प्रवासी मजदूर विकास बोर्ड बनाने का फैसला किया है। इसका काम भी वे खुद देखेंगी और साथ ही मदरसा शिक्षा का काम भी संभालेंगी।

एक और आत्म निर्भरता?

नागरिक विमानन ने मंत्री के मुताबिक भारत चाहता है कि उसकी घरेलू कंपनियां ज्यादा संख्या में उड़ानें चलाएं। वे नए उड़ान केंद्र स्थापित करें और विदेशी प्रतिद्वंद्वियों के घरेलू विमान क्षेत्र में बने वर्चस्व को खत्म करें।अगर बात सिर्फ आत्म निर्भर भारतद्ध जैसे जुबानी जमा-खर्च की ना हो, तो यह इरादा अच्छा है। नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुताबिक भारत चाहता है कि उसकी घरेलू कंपनियां ज्यादा संख्या में उड़ानें चलाएं। वे नए उड़ान केंद्र स्थापित करें और विदेशी प्रतिद्वंद्वियों के घरेलू विमान क्षेत्र में बने वर्चस्व को खत्म करें। हालांकि वैश्विक पूंजी निवेश के आज दौर में देशी और विदेशी कंपनियों की पहचान आसान नहीं रह गया है, फिर भी अगर मूल रूप से भारत में निर्मित हुई कंपनियों का कारोबार बढ़ता है, तो आम तौर पर उसका स्वागत किया जाएगा। लेकिन इस बात पर गौर कीजिए। सिंधिया ने भारत में उत्पादन को बढ़ाने पर भी जोर दिया है। उत्पादन बढ़ाने की बात तब आती है, जब कोई देश किसी चीज के उत्पादन की क्षमता रखता हो। क्या सचमुच भारत विमान उत्पादन में सक्षम हो चुका है? अगर ऐसा है, तो हाल में एयर इंडिया ने फ्रांस और अमेरिका की कंपनियों को ४७० नए विमानों का ऑर्डर क्यों दिया? इसलिए सिंधिया के ताजा बयान को सवाल भरी निगाहों से देखा जाएगा। एक समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा- भारत अब एक अहम मोड़ पर खड़ा है। आने वाले सालों में भारत में एयर ट्रैफिक का विस्फोट देखने को मिलेगा।एयर ट्रैफिक में बढ़ोतरी होना और उस ट्रैफिक के संचालन में आत्म निर्भरता दो अलग-अलग बातें हैं। एयर ट्रैफिक तो पहले से भी बढ़ रहा है। दरअसल, विमानन के क्षेत्र में भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से रहा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के मामले में अब भी अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों का ही वर्चस्व है, जिनके पास ज्यादा सक्षम विमानन केंद्र हैं। अब अगर भारत चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की बढ़ती संख्या का आर्थिक लाभ खुद उठाए, तो उसके लिए उसे एक अलग किस्म की तैयारी करनी होगी। आशा है, सिंधिया ने उपरोक्त बातें कहने के पहले ऐसी तैयारियों की कोई योजना भी बनाई होगी। यह बात इसलिए कहने की जरूरत महसूस हुई है, क्योंकि वर्तमान सरकार के दौर में बड़बोलापन हवाई स्तर तक पहुंच चुका है। अगर इस मामले में बात वैसी ना हो, तो यह अच्छी बात होगी।

राहुल क्या आपदा को अवसर में बदल पाएंगे?

अजीत द्विवेदी

यह यक्ष प्रश्न है कि राहुल गांधी के ऊपर अभी जो आपदा आई है उसे वे अवसर में बदल सकते हैं या नहीं? राजनीतिक नजरिए से देखें तो यह बड़ा मौका है। अब तक कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी दावा करते रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनसे डरते हैं, पहली बार ऐसी स्थितियां हैं जब वे अपने दावे पर देश के लोगों को यकीन दिला सकते हैं। राहुल अब पूरे देश में घूम कर कह सकते हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा और सबसे लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी उनसे डरते हैं और इसलिए उनकी लोकसभा की सदस्यता समाप्त करा दी गई है। इसमें सचाई चाहे जितनी हो लेकिन लोग इस पर सोचने के लिए मजबूर होंगे। उससे जो नैरेटिव बनेगा वह कांग्रेस को राजनीतिक रूप से फायदा पहुंचा सकता है। उससे राहुल गांधी की छवि मजबूत होगी और कांग्रेस को चुनावी लाभ मिलेगा।यह काम इंदिरा गांधी ने १९७८ में किया था, जब उनकी लोकसभा की सदस्यता समाप्त की गई थी और उनको गिरफ्तार किया गया था। लेकिन सवाल है कि क्या राहुल गांधी इतने सक्षम हैं और कांग्रेस पार्टी इतनी मजबूत है कि इंदिरा गांधी का इतिहास दोहरा सके? इसमें कोई संदेह नहीं है कि कांग्रेस अब वैसी पार्टी नहीं है, जैसी अस्सी के दशक में थी और न राहुल गांधी अपनी दादी इंदिरा गांधी की तरह करिश्माई नेता हैं। देश की राजनीति भी पहले की तरह स्वाभाविक और सहज नहीं रह गई है और न मतदाता वैसे रह गए हैं, जैसे ४० साल पहले थे। इसके बावजूद दमदार नेता अपनी कहानी से राजनीति की दिशा बदल सकता है। अरविंद केजरीवाल से लेकर जगन मोहन रेड्डी तक अनेक मिसालें दी जा सकती हैं। खुद नरेंद्र मोदी एक मिसाल हैं, जिन्होंने २००२ के गुजरात दंगों के बाद लगे आरोपों और प्रतिकूल परिस्थितियों को अपनी राजनीतिक ताकत बना लिया था।राहुल गांधी भी ऐसा कर सकते हैं बशर्ते कि वे अपनी राजनीतिक राह खुद बनाएं। सबसे पहले तो उनको अपनी राजनीतिक रणनीति खुद बनानी शुरू करनी चाहिए। जब तक वे अपनी मां पर निर्भरता समाप्त नहीं करेंगे तब तक वे स्वाभाविक नेता नहीं बन सकते हैं। अभी उनके ईर्द-गिर्द सोनिया गांधी का एक सुरक्षा कवच दिखता है। हर मौके पर वे ढाल की तरह राहुल को बचाने आ जाती हैं। सूरत की अदालत में राहुल गांधी को दो साल की सजा हुई और उसके अगले दिन उनकी लोकसभा की सदस्यता समाप्त हुई तो सोनिया गांधी ने कांग्रेस की रणनीति बनाने की बैठक की। उनकी बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल हुईं। अशोक गहलोत से लेकर तमाम पुराने कांग्रेसी नेता बैठे और आंदोलन की योजना बनाई। इससे राहुल का कोई फायदा नहीं होने वाला है। हकीकत यह है कि उनका कोई भी राजनीतिक अभियान शुरू होता है तो इस पहलू की चर्चा ज्यादा होती है कि किसने योजना बनाई और कैसे उस पर अमल हुआ। राहुल को इस मामले में भाजपा से सीखना चाहिए। वहां योजना कोई भी बनाता हो सारे काम करते हुए नरेंद्र मोदी ही दिखते हैं। इससे यह धारणा बनती है कि नरेंद्र मोदी सब जानते हैं और सब काम करने में सक्षम हैं। इसके उलट राहुल के बारे में धारणा है कि उनसे राजनीति कराई जाती है। उनको यह धारणा तोड ? की जरूरत है।दूसरे, कांग्रेस की प्रतिक्रिया त्वरित होनी चाहिए। हर मामले में इंतजार और तैयारी से हवा बिगड़ जाती है। जैसे मौजूदा मामले में सूरत की अदालत का फैसला आने के पहले से आंदोलन की योजना बनी हुई होनी चाहिए थी। कांग्रेस का आंदोलन स्वंत:स्फूर्त दिखना चाहिए था। इंदिरा गांधी को जब गिरफ्तार किया गया था तब कांग्रेस को लोग जुटाने की जरूरत नहीं पड़ी थी। अपने आप लाखों लोग सड़कों पर निकले थे। हो सकता है कि कांग्रेस के नेता परदे के पीछे से इसकी प्लानिंग पहले से किए हुए हों लेकिन उस समय ऐसा लगा कि लोग अपने आप सड़क पर उतरे हैं। उसी तरह कांग्रेस की तैयारी पहले से होनी चाहिए थी। सूरत की अदालत से सजा सुनाए जाने के साथ ही अगर देश भर में लोग सड़कों पर उतरते तो उसका ज्यादा असर होता। अब कांग्रेस तैयारी करके आंदोलन करेगी तो वह प्रायोजित लगेगा।तीसरा, राहुल गांधी को उच्च नैतिक मानदंड स्थापित करना चाहिए। उनको ऐलान कर देना चाहिए कि अगर हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट उनको सदस्यता बहाल कर देती है तब भी वे सांसद नहीं रहेंगे। इस लोकसभा में अब वे कदम नहीं रखेंगे। उन्हें इस मामले में अपनी कहानी बनानी होगी। कहानी चाहे कितनी भी काल्पनिक हो लेकिन अगर लोग उस पर यकीन करें तो वह हिट हो सकती है। राहुल गांधी केंद्र सरकार को चुनौती दे सकते हैं। वे कह सकते हैं कि सरकार अगर चाहती है कि वे सड़क पर उतर कर संघर्ष करें तो वे संसद की बजाय सड़क पर लड़ेंगे। इससे भाजपा बैकफुट पर आएगी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में जोश आएगा। राहुल इस कानूनी लड़ाई को सड़क पर ले जाकर राजनीतिक बना सकते हैं। उनको पता होना चाहिए कि अंततः उनको जनता के बीच जाकर राजनीतिक लड़ाई ही लड ?नी है।मुश्किल यह है कि कांग्रेस में वह जज्बा और जुनून नहीं है, जिसके दम पर वह सड़क पर उतर कर एक साल लड़ाई लड़े। पार्टी के ज्यादातर नेता सोशल मीडिया में ही आंदोलन कर रहे हैं। उनको ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ही क्रांति करनी है। दूसरी मुश्किल यह है कि पार्टी के पास साधन और सलाहियात भी नहीं हैं। खबर है कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद पार्टी का खजाना खाली हुआ है। इसलिए लाखों को लोगों को मोबिलाइज करना और एक साल तक आंदोलन चलाए रखना मुश्किल है। तीसरी, मुश्किल यह है कि अब इंदिरा गांधी के जमाने जैसा माहौल नहीं है। उस समय कांग्रेस विरोधी गठबंधन के नेता मोरारजी देसाई थे और कांग्रेस विरोधी ताकतें बिखरी हुई थीं। अभी कांग्रेस विरोधी ताकत यानी भाजपा अपनी शक्ति के चरम पर है। उसके पास नरेंद्र मोदी के रूप में करिश्माई नेता हैं और वह बेहद साधन संपन्न पार्टी है। अगर कांग्रेस कोई नैरेटिव बनाने की कोशिश करती है तो भाजपा हमेशा उसका काउंटर नैरेटिव लेकर खड़ी रहती है। पिछले नौ-दस साल में भाजपा ने प्रचार के दम पर, प्रधानमंत्री के भाषणों के जरिए और काफी हद तक मीडिया की मदद से नेहरू गांधी परिवार के प्रति नकारात्मक माहौल बनाया है। नेहरू गांधी परिवार को राजनीति में वंशवाद और भ्रष्टाचार का प्रतीक बनाया गया है और इसके बरक्स नरेंद्र मोदी हिंदुत्व, राष्ट्रवाद, ईमानदारी और मजबूत नेतृत्व का प्रतीक बने हैं। राहुल गांधी को इस धारणा को तोड ? होगा। ध्यान रहे राजनीति अब परसेप्शन की लड़ाई है- धारणा बनाने और तोड ? की लड़ाई है। अगर उसमें राहुल कामयाब होते हैं तभी जमीनी लड़ाई में कामयाबी मिलेगी।

काम न करने का हक

श्रुति व्यास

फ्रांसिसी लड़ रहे है। राष्ट्रपति और सरकार की नींद हराम हुई पडी है। उनका मुद्दा है कि हम आलसी हैं तो क्या हुआ। इसके लिए भी हमें पैसे मिलने चाहिए। जिंदगी फुर्सत, आराम और समय की लक्जरी में गुजरे यह मनुष्य का अधिकार है। हम ज्यादा काम नहीं करेंगे। हम जल्दी रिटायर होंगे। साल में छह सप्ताह छुट्टी करेंगे और सप्ताह में सिर्फ ३९ घंटे काम।संदेह नहीं मन के सुख, अधिकार, हुकूक के लिए लड ? फ्रांसीसियों के खून में है।तभी तो फ्रांस इंसानी हक की क्रांतियों का देश है। सन् १७८९की स्वतंत्रता, समानता, भाईचारे की क्रांति से शुरू परंपरा १९४४ और उसके बाद १९६८ में झलकी। अब वापिस सड़कों पर जनता उमडी हुई है। चार्ल्स डी गॉल ने अपने देश के बारे में वैसे ही नहीं कहा था कि वहां राजनीति सतत उबाल पर रहती है।राष्ट्रपति इमेन्युअल मेक्रान के पेंशन सुधारों, जिनमें पेंशन प्राप्त करने की न्यूनतम आयु ६२ से बढ़ाकर ६४ वर्ष करना शामिल है, को संसद की मंजूरी मिल गई है।इसके बाद प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव मात्र नौ वोटों से नामंजूर हुआ। तब से वहां राजनैतिक तनाव बढ़ता ही जा रहा है।लोगों का मूड बदला-बदला सा है। पेरिस में रोमांच और रोमांस की जगह हिंसा और तोडफ़ोड़ का बोलबाला है। यहां तक कि सरकार को ब्रिटिश सम्राट चार्ल्स की तीन दिन की फ्रांस की यात्रा भी रद्द करनी पड़ी। बढ़ता असंतोष फुटपाथों और गलियों पर छलक रहा है। ट्रेड यूनियन कार्यकर्ताओं सहित समाज के सभी वर्ग □ युवा, वृद्ध, पेशेवर, बेरोजगार □ पुलिस से भिड़ रहे हैं, सिटी हॉल के दरवाजों में आग लगा रहे हैं, राजनीतिज्ञों के पुतले जला रहे हैं और पथराव कर रहे हैं।फ्रांस की वसंती हवाओं में गुस्से, अश्रुगैस और सड ? की गंध घुल रही है। हाँ, सड ? की क्योंकि कचरा उठाने वालों की हड़ताल इस पेंशन सुधार विरोधी आंदोलन के केन्द्र में है। सोमवार को यह हड़ताल चौथे सप्ताह में प्रवेश कर जाएगी। कचरा उठाने वाले कर्मी २०३० में ५९ की बजाए ५७ वर्ष की आयु में रिटायरी चाहते हैं (सभी के लिए सेवानिवृत्ति आयु ६४ वर्ष नहीं है)।राष्ट्रपति मेक्रान कहते हैं कि अगर सरकार को अपने खजाने को खाली नहीं होने देना है और पेंशन के रूप में खासी धनराशि देते रहना जारी रखना है तो पेंशन सुधार जरूरी है। लोगों को दोसाल ज्यादा काम करना चाहिए। विशेषकर इसलिए क्योंकि १९८० के दशक की तुलना में अब फ्रांस के नागरिक दस वर्ष अधिक जी रहे हैं। सरकार के पास आर्थिक भार का तर्क है।जबकि विरोधी कहते हैं कि सरकार बेरहमी से आधुनिक कल्याणकारी राज्य, जो लंबे और कठिन संघर्ष का नतीजा है, को ढ़हा रही है।जाहिर है फ्रांसीसियों के लिए बेहतर समाज वह है जहां कम के कम काम करना पड़े। सन् १८८० में फ्रांस के समाजवादी चिंतक पॉल लाफार्ज ने एक पुस्तक लिखी थी जिसका शीर्षक था आलसी होने का हक्द्र।इस पुस्तक में उसने कहा था कि हर दिन व्यक्ति को केवल तीन घंटे काम करना चाहिए और उन्होंने काम से प्रेम करने के पागलपनद्ध की सख्त शब्दों में निंदा की थी। लगभग दो दशक पहले एक किताब हेलो आलस्यद्ध प्रकाशित हुई थी। इसमें बताया गया था कि काम करने से कैसे बचा जा सकता है और वहा यह बेस्टसेलर पुस्तक थी। सन् १९८२ में फ्रांस्वा मित्तरों ने सेवानिवृत्ति की आयु ६५ से घटाकर ६० वर्ष की थी। दो दशक बाद फ्रांस ने ३५ घंटे का वर्किंग वीक लागू कर दिया। सन् १९९० में ६० प्रतिशत फ्रेंच काम को बहुत महत्वपूर्णद्ध मानते थे। सन् २०२१ में इनका प्रतिशत मात्र २४ रह गया। महामारी ने काम को महत्वहीन मानने वालों की संख्या में वृद्धि की है। फ्रेंच नहीं चाहते कि काम का उनके जीवन में केन्द्रीय महत्व हो और इस स्थिति से छेड़छाड़ करने वाले किसी भी नेता को वे पसंद नहीं करते।परंतु मेक्रान अपने पूर्ववर्तियों से अलग हैं। वे अपने निर्णय से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। उन्हें मालूम है कि २०२७ में उनके कार्यकाल की समाप्ति के बाद संवैधानिक प्रावधानों के चलते वे फिर से चुनाव नहीं लड़ पाएंगे इसलिए उन्हें फर्क नहीं पड़ता है कि वे कितने अलोकप्रिय हैं। संसद में उनका बहुमत नहीं है परंतु इसके बाद भी वे एक विशेष संवैधानिक प्रावधान का उपयोग करके पेंशन सुधार लागू करवा सकते हैं। इससे लोगों में असंतोष और बढ़ेगा। इतिहास गवाह है कि फ्रेंच लोग विरोध, प्रदर्शनों और क्रांति की सुगबुगाहट को बेहद पसंद करते हैं और स्वयं को अपने जीवन का एकमात्र मालिक मानते हैं। हो सकता है कि मेक्रान जो कर रहे हैं वह देश की भलाई के लिए हो। परंतु इसका परिणाम क्या होगा यह कहना मुश्किल है। यह भी हो सकता है कि सन् २०२७ में फ्रांस घोर दक्षिणपंथी नेता मरीन ला पेन को सिर आंखों पर बिठा ले।

खर्राटे की समस्या को दूर करने के लिए करें ये योगासन, जानें अभ्यास का तरीका

किसी भी व्यक्ति को सोते वक्त खर्राटे तब आते हैं जब उसकी नाक और गले के माध्यम से हवा का मार्ग सिकुड़ जाता है। इससे ब्रीथिंग साइकिल बाधित हो जाती है। हालांकि, इससे खर्राटे वाले व्यक्ति के अलग-बगल सोने वालों की भी नींद खराब हो जाती है। इसे नियंत्रित करने के लिए कई उपकरण हैं, लेकिन अपनी जीवनशैली में कुछ योगासन को शामिल करने से इससे जल्द राहत मिल सकता है। आइए आज इसी से जुड़े ५ योगासन जानते हैं। भुजंगासनभुजंगासन के लिए योगा मैट पर दोनों हाथों को कंधों के बगल में रखकर पेट के बल लेट जाएं। अब हाथों से दबाव देते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को उठाएं और दोनों पैरों को सीधा रखते हुए स्ट्रेच करें। इसके बाद ३० सेकंड इसी मुद्रा में बने रहें और फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। यह मुद्रा छाती को फैलाने में मदद करती है, जिससे सांस लेने में आसानी होती है। धनुरासन धनुरासन के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। अब अपने दोनों घुटनों को अपनी पीठ की तरफ मोड़ें और हाथों से टखनों को पकड ? की कोशिश करें। इसके बाद सांस लेते हुए अपने पूरे शरीर को इस प्रकार ऊपर उठाने की कोशिश करें कि शरीर का आकार धनुष के समान लगे। यह मुद्रा गहरी सांस लेने और छोड ? के साथ आपकी सांस को नियंत्रित करने में मदद करती है। भ्रामरी प्राणायामसबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन की स्थिति में बैठ जाएं। अब अपने दोनों हाथों को कोहनियों से मोड़कर अपने कानों के पास लाएं और अंगूठों से अपने दोनों कानो को बंद करें। इसके बाद अन्य उंगलियों को आंखों के ऊपर रखकर उन्हें बंद कर लें। अब नाक से सांस लेते हुए हम्म का उच्चारण करें। कुछ मिनट बाद धीरे-धीरे आंखों को खोलें और प्राणायाम को छोड़कर सामान्य हो जाएं। कपालभाति प्राणायामसबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन की स्थिति में बैठ जाएं और अपने दोनों हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा में रख लें। अब अपनी दोनों आंखों को बंद करें और अपने पूरे शरीर को ढीला छोड़कर नाक से गहरी सांस लें। इसके बाद पेट की मांसपेशियों को सिकोड़ते हुए सांस छोड़ें और सांस छोड़ते समय ज्यादा दबाव न डालें। इस योग से आपको बेहतर और गहरी नींद आने में मदद मिलेगी। सिंहासन (लायन पोज) सिंहासन के लिए सबसे पहले वज्रासन की मुद्रा में बैठें और फिर घुटनों को खोलते हुए शेर की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपने दोनों हाथों को घुटनों के ऊपर रखें। इसके बाद चेहरे की मांसपेशियों पर दबाव डालते हुए जीभ को नीचे की ओर से बाहर निकालें और मुंह खोलकर शेर की तरह दहाड़ लगाएं। यह योग आसन आपके गले की मांसपेशियों को आराम देता है और छाती में तनाव को दूर करता है।

आज का राशिफल

मेष : (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)आज आपका दिन आपके लिए उत्तम है। सभी काम आपके मन मुताबिक पूरे होंगे। आपके सकारात्मक विचारों से खुश होकर वरिष्ठ आपको उपहार स्वरूप कोई उपयोगी वस्तु गिफ्ट कर सकते हैं। छात्रों को अपनी पढ़ाई में बदलाव करने के लिए समय सारिणी में बदवाल करने की जरूरत है। आप अपने करियर को लेकर थोड़ा परेशान होंगे। आपकी मुलाकात या बात किसी पुराने मित्र से हो सकती है, जो आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद होगी। घरेलू वातावरण किसी मुख्य घटना से भावनात्मक हो सकता है। स्वास्थ्य लाभ होगा।

वृष : (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी , वु , वे, वो)आज आपका दिन उत्तम रहेगा। सारी इच्छाओं की पूर्ति होगी। आपका कला के क्षेत्र की तरफ रुझान बढ़ेगा। आपको व्यापार से लाभ तो होगा, लेकिन आपके घर के खर्चों में वृद्धि भी होगी। बिजनेस के सिलसिले में आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। दूसरों के मामलों में दखल ना दें, आवश्यकता पड ? पर ही अपनी राय दें। आपके बच्चे आपको शुभ समाचार दे सकते हैं। जिससे आपको खुशी होगी। घर की परेशानियों से राहत मिलेगी।

मिथुन : (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। अगर आप नौकरी कर रहें तो ट्रांसफर किसी ऐसे स्थान पर हो सकता है, जहां से आना जाना करने में आपको आसानी होगी। हो सके तो उधार के लेन-देन से बचें। आपको व्यापार में धनलाभ का अवसर प्राप्त हो सकता है। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम को लेकर आपका सपोर्ट करेंगे। जिससे ऑफिस का माहौल बदल सकता है। इस राशि के छात्रों के लिए दिन अच्छा है।कर्क : (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)आज आपका दिन परिवार के साथ बीतेगा। पारिवारिक कार्यो को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आपका समय बच्चों के साथ अधिक बीतेगा साथ ही उनको कुछ अच्छा सीखा भी सकते है। कोई मित्र आपसे मिलने आ सकता है। मित्र से निजी समस्याओं को शेयर करने से मन का बोझ हल्का होगा। प्रेमी के लिए दिन बढ़िया है। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

सिंह : (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)आज आपका दिन सामान्य रहेगा। यात्रा हो सकती है जो किसी भी काम से सम्बन्धित हो सकती है। यात्रा के दौरान किसी दोस्त/रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षा से सम्बंधित कोई अच्छा समाचार आपको मिल सकता है। प्रेमी के लिए दिन बढ़िया है। अगर कोई नयी गाड़ी खरीदना चाह रहे हैं तो ले लीजिए। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता रहेगी।

कन्या : (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)आज आपका दिन बेहतर रहेगा। किसी कार्य को पूरा करने के लिए योजना बना सकते हो। अपने व्यापार को लेकर मन में नए-नए विचार आ सकते हैं। दाम्पत्य संबंध मधुरता से भरपूर रहेगा। आपकी उलझने कम हो सकती हैं। प्रेमी के लिए दिन अनुकूल है। इंजीनियर्स के लिए दिन अच्छा रहेगा, किसी कम्पनी से जॉब के ईमेल आ सकती है। आपकी सेहत अच्छी रहेगी।

तुला : (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। व्यापार में लाभ होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आप किसी दोस्त की मदद करने के लिए उसके घर जा सकते हैं। ऑफिस में काम को लेकर बॉस आपकी तारीफ कर सकते हैं। छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। राजनीतिक और सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगो की तारीफ हो सकती है। परिवार के साथ रात को डिनर का प्लान बन सकता है।

वृश्चिक : (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकठे होने में आसानी होगी। आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा। सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है। आर्किटेक स्टूडेंट के लिए किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आ सकता है।

धनु : (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)आज आपका दिन अच्छा रहेगा, ऑनलाइन क्लास से कुछ नया सीखने को मिलेगा। परिवार ने एकता का माहौल रहेगा किसी कार्य को लेकर सब एक मत हो सकते है। जीवनसाथी को कुछ अच्छा सा उपहार दे सकते हैं, रिश्ता और भी मधुर होगा। जो लोग ऑफिस का काम घर से कर रहे हैं उनको अपने काम पर विशेष ध्यान देना चाहिए। महिलाएं घर का कार्य जल्दी समाप्त कर के परिवार वालो पर ध्यान देंगी।

मकर : (भो, जा, जी, खी, खू, खा, खो, गा, गी)आज आपका दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। ज्यादा क्रोध करने से आपका काम बिगड़ सकता है, बेहतर होगा कि किसी भी बात पर गुस्सा करने से बचें। पॉपर्टी में निवेश करने के लिए दिन शुभ है। कलात्मक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी। पढ़ाई में छात्रों के लिए यह समय जी-जान लगाकर पढ ? का है। नये प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

कुंभ : (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)आज आपका दिन आपके लिए लाभप्रद रहने वाला है। आपको कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है। आपने जीवनसाथी पर भरोसा बनाये रखें। आप जितना हो सके दूसरों की राय लेकर ही किसी कार्य की शुरूआत करें सफलता मिलनी तय है। ऑफिस में आपको सावधानी बरतने की आवश्यकता है। छात्रों के लिए दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा हो सकता है, पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

मीन : (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)आज आपका दिन सामान्य रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का दिन अच्छा है, आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे। आपकी सोच में सकारात्मकता आयेगी। महिलाएं शॉपिंग करते समय खुद को थोड़ा काबू में रखें खर्च बढ़ सकता है। थियटर से जुड़े लोगों के लिये दिन बढ़िया है, आपके काम की तारीफ होगी। इस राशि के विवाहितों के लिए दिन बढ़िया रहेगा।

ओडिशा सरकार महानदी जल विवाद पर लोगों के हितों की रक्षा करेगी

भुवनेश्वर,(वार्ता) ओडिशा सरकार राज्य के लोगों के हितों की रक्षा के लिए महानदी जल मुद्दे पर सभी आवश्यक कदम उठा रही है।
तुकुनी साहू ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा को बताया।
सदन में बयान देते हुए साहू ने कहा कि सरकार भविष्य में भी प्रदेश की जनता के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है.
उन्होंने कहा कि चूंकि महानदी जल विवाद इस समय ट्रिब्यूनल के विचाराधीन है, इसलिए इस मुद्दे पर अभी एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करना संभव नहीं होगा।
मंत्री ने सभी सदस्यों से इस मुद्दे पर सरकार का समर्थन करने का अनुरोध किया, भले ही उनकी पार्टी संबद्धता कुछ भी हो।
साहू ने कहा कि महानदी ओडिशा की जीवन रेखा है। २३ जिलों के लोग अपनी आजीविका के लिए महानदी पर निर्भर हैं।
महानदी पर विवाद का मुख्य कारण छत्तीसगढ़ द्वारा एकतरफा तरीके से और अवैध रूप से ओडिशा के हितों की अनदेखी करते हुए और २७.४८ मिलियन एकड़ फुट पानी का उपयोग करने की योजना के बाद नदी के ऊपर की ओर कई बैराज का निर्माण करना था।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने गैर-मानसून अवधि के दौरान छह मेगा औद्योगिक आधारित बैराज का निर्माण किया है और हीराकुंड जलाशय में पानी के प्रवाह को बाधित किया है।
गैर-मानसून अवधि के दौरान हीराकुंड जलाशय में पानी के प्रवाह में लगातार कमी के कारण, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने २००० में केंद्रीय जल संसाधन मंत्री से गैर-मानसून अवधि के दौरान हीराकुंड जलाशय में न्यूनतम २ मिलियन एकड़ फुट का प्रवाह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया था।
बाद में २०१६ में मुख्यमंत्री ने एक बैठक में केंद्रीय संसाधन मंत्री से यथास्थिति बनाए रखने की मांग की और प्रधानमंत्री को भी इससे अवगत कराया।
मंत्री ने कहा कि चूंकि इसका कोई नतीजा नहीं निकला, इसलिए राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से इस मुद्दे को हल करने के लिए एक न्यायाधिकरण गठित करने की मांग की।
उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया क्योंकि केंद्र सरकार ने राज्य की मांग का जवाब नहीं दिया।
महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन १२ मार्च, २०१८ को सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर तीन साल की अवधि के लिए किया गया था, जिसे बाद में केंद्र सरकार ने दो साल और बढ़ा दिया था और अब इसे १२ दिसंबर, २०२४ तक बढ़ा दिया गया है। मंत्री ने कहा।
ओडिशा सरकार ने प्रख्यात तकनीकी विशेषज्ञों को गवाह के रूप में नियुक्त किया है और न्यायाधिकरण के समक्ष प्रख्यात कानूनी विशेषज्ञों के माध्यम से अपना तर्क प्रस्तुत करती रही है और मामला अब न्यायाधिकरण के विचाराधीन है।

ट्रिब्यूनल ने छत्तीसगढ़ में महानदी के घाटियों के क्षेत्र के दौरे की तारीखें दो चरणों में तय की हैं- पहले चरण में १८ अप्रैल, २०२३ से २२ अप्रैल, २०२३ तक और दूसरे चरण में २९ अप्रैल से ३ मई, २०२३ तक।
मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दौरे के बाद ओडिशा में महानदी के बेसिन के क्षेत्र के दौरे की तारीख तय की जाएगी और सदस्यों से सरकार के साथ सहयोग करने की अपील की।

उत्कल दिवस की पूर्व संध्या पर ईस्ट कोस्ट रेलवे मुख्यालय भवन एलईडी लाइटों से जगमगाया।

ओएमसी ने ओडिशा में हरिश्चंद्र सहायता, महाप्रयाण योजना के लिए १०० करोड़ रुपये का योगदान दिया

भुवनेश्वर, (वार्ता) ओडिशा खनन निगम (ओएमसी) ने रुपये का योगदान दिया है। राज्य की नेक पहल हरिश्चंद्र सहायताठ और महाप्रयाण योजना के लिए शुक्रवार को मुख्यमंत्री राहत कोष (CMRF) में १०० करोड़।
मंत्री, इस्पात और खान, वर्क्स प्रफुल्ल कुमार मल्लिक ने अतिरिक्त मुख्य सचिव, इस्पात और खान विभाग और ओएमसी के अध्यक्ष देवरंजन कुमार सिंह की उपस्थिति में नवीन निवास में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को चेक सौंपा।

हरिश्चंद्र सहायता योजना के तहत गरीब एवं निराश्रित व्यक्ति को अपने परिवार के सदस्य का अंतिम संस्कार करने के लिए आर्थिक सहायता मिलती है, जबकि महाप्रयाण योजना लोगों को मृत्यु के स्थान से निवास तक अपने प्रियजनों के शव को ले जाने में मदद करने के लिए लागू की गई है। .
इस अवसर पर मुख्यमंत्री-परिवर्तनकारी पहल (५टी) के सचिव वी के पांडियन, ओएमसी के प्रबंध निदेशक बलवंत सिंह और निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।
ओएमसी राज्य के लोगों के कल्याण के लिए ओडिशा सरकार की नेक पहल के लिए सीएमआरएफ में योगदान दे रही है।

राज्य के स्वामित्व वाला निगम भी अपनी विभिन्न सीएसआर पहलों के माध्यम से विशेष रूप से इसके खनन परिधि में रहने वाले लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

नवीन ने दीपाली दास को झारसुगुड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए बीजद उम्मीदवार घोषित किया

भुवनेश्वर, (वार्ता) पूर्व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री नब किशोर दास की बेटी दीपाली दास, जिनकी पुलिस के एक एएसआई ने गोली मारकर हत्या कर दी थी, झारसुगुड़ा विधानसभा क्षेत्र में १० मई को होने वाले उपचुनाव में बीजद की उम्मीदवार हैं।
बीजद सुप्रीमो और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शुक्रवार को पार्टी की एक विज्ञप्ति में दीपाली के नाम की घोषणा की।
गत २९ जनवरी को ब्रजराजनगर में एएसआई गोपाल दास ने नाबा किशोर दास की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनके निधन से उपचुनाव की जरूरत पड़ी।
भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी

कार्यक्रम के अनुसार चुनाव की गजट अधिसूचना १३ अप्रैल, २०२३ को की जाएगी।
जबकि २० अप्रैल, २०२३ नामांकन की अंतिम तिथि है, नामांकन पत्रों की जांच २१ अप्रैल को की जाएगी और २४ अप्रैल उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि है।
मतदान १० मई, २०२३ को होगा और मतगणना १३ मई को होगी। चुनाव प्रक्रिया १५ मई, २०२३ तक पूरी कर ली जाएगी।
विपक्षी भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक उपचुनाव के लिए अपनी पार्टी के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है।

विवाहिता से दुष्कर्म के जुर्म में युवक को तीन साल की सजा

केंद्रपाड़ा, (वार्ता) केंद्रपाड़ा त्रिविक्रम केशरी चिन्नार के तदर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट) ने शुक्रवार को एक व्यक्ति को तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।
और गांव की एक साथी महिला के शील भंग के लिए ५००० रुपये का जुर्माना।
न्यायाधीश ने आदेश दिया कि जुर्माने की राशि नहीं देने पर दोषी को और छह महीने के कठोर कारावास की सजा भुगतनी होगी।
दोषी की पहचान गुलिया उर्फ गुरुचरण सेठी के रूप में हुई है, जिसने अगस्त २०१४ में पट्टामुंडई थाना क्षेत्र के रेशो गांव में महिला का अपमान किया था।
पीड़ित महिला ने पट्टामुंडई थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी जिसमें आरोप लगाया था कि २६ अगस्त २०१४ की रात गुलिया जबरन उसके घर में घुस गयी जब वह अपने एक साल के बेटे के साथ सो रही थी और उसके साथ बलात्कार किया।

एनटीपीसी दर्लीपाली ने सामुदायिक विकास गतिविधियों में कलिंगा सीएसआर पुरस्कार प्रदान किया

भुवनेश्वर, (वार्ता) ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में स्थित एनटीपीसी दर्लीपाली को सामुदायिक विकास गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए कलिंग सीएसआर अवार्ड २०२२ से सम्मानित किया गया है।
पावर स्टेशन ने शुक्रवार को इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, हैदराबाद के सहयोग से इंस्टीट्यूट ऑफ क्वालिटी एंड एनवायरनमेंट मैनेजमेंट सर्विसेज द्वारा आयोजित कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी इनिशिएटिव - २०२३ पर ७वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में पुरस्कार जीता।
सीजीएम (एनटीपीसी दर्लीपाली) अजय कुमार टंडन ने ओडिशा वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री प्रदीप कुमार अमत से पुरस्कार प्राप्त किया।
यह पुरस्कार एनटीपीसी दरलीपाली को समुदाय के समग्र विकास और इसके परियोजना प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए असाधारण योगदान के लिए प्रदान किया गया है।

ओडिशा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए शून्य मृत्यु सप्ताह मनाएगा

भुवनेश्वर, (वार्ता) ओडिशा एक अप्रैल से सात अप्रैल तक 'जीरो फैटेलिटी वीक' मनाएगा।
सड़क दुर्घटनाओं और हताहतों की संख्या को रोकने के लिए एक गहन जागरूकता अभियान और प्रवर्तन अभियान का हिस्सा है।
वाणिज्य एवं परिवहन विभाग ने अभियान के सुचारू संचालन के लिए सभी हितधारक विभागों, कलेक्टरों और एसपी/डीसीपी को एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है।
२०२२ में, ओडिशा में ११,६६३ सड़क दुर्घटनाएं हुईं जिनमें ५,४६७ मौतें हुईं। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि २०२१ की तुलना में मृत्यु दर में ७.६० प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
यदि ये दुर्घटना पीड़ित गोल्डन ऑवर में निकटतम स्वास्थ्य देखभाल सुविधा तक पहुँच पाते तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी।
वाणिज्य एवं परिवहन विभाग की प्रधान सचिव उषा पाढ़ी ने सड़क दुर्घटनाओं को राज्य के लिए एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार के लिए एक उच्च प्राथमिकता वाला क्षेत्र है, जो राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए कई पहल कर रही है।
उन्होंने कहा कि सरकार ने सप्ताह के दौरान शून्य मृत्यु सुनिश्चित करने के लिए चार गुना रणनीति- शिक्षा, इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और आपातकालीन देखभाल को अपनाया है।
विभाग ने सभी हितधारक विभागों के लिए एसओपी में जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट किया है और उनसे सप्ताह के दौरान शून्य दुर्घटना प्राप्त करने के लिए सभी संभव उपाय करने का आग्रह किया है।
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग से अनुरोध किया गया है कि वे समूहों को शून्य मृत्यु सप्ताह के बारे में जागरूक करें जो नियमित रूप से दुर्घटना पीड़ितों के लिए रक्त व्यवस्था में सहयोग करेंगे।
ट्रॉमा केयर सेंटरों को चौबीसों घंटे सेवा के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।
जहां एच एंड एफडब्ल्यू विभाग और एनएचएआई दुर्घटना संभावित क्षेत्रों और राजमार्गों पर एंबुलेंस की तैनाती सुनिश्चित करेंगे, वहीं निर्माण विभाग और सड़क स्वामित्व वाली एजेंसियों से अनुरोध किया गया है कि वे जहां आवश्यक हो वहां पर्याप्त साइनेज लगाने, गड्ढों और सड़कों की मरम्मत करें।
उनसे यह भी अनुरोध किया गया है कि वे जंक्शन बिंदुओं से ५०० मीटर पहले, जहां ग्रामीण/शहरी संपर्क सड़कें राजमार्गों से मिलती हैं, उचित यातायात शांत करने के उपाय सुनिश्चित करें।
पुलिस कर्मियों के साथ आरटीओ की प्रवर्तन शाखा पूरे सप्ताह कड़ी कार्रवाई करेगी।
गैर-सरकारी संगठनों और पहले प्रतिक्रिया देने वाले समूहों (रक्षक) से अनुरोध किया गया है कि वे सतर्क रहें और जीरो फैटेलिटी मिशन में मदद करें।

पारादीप सीटी जीएसटी अधिकारी ८०,००० रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

पारादीप : विजिलेंस ने आज सीटी जीएसटी अधिकारी चितरंजन मोहंती को ८० हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा।
मोहंती एक मामले को रफा-दफा करने और एक व्यवसायी के जब्त दस्तावेजों को छुड़ाने के लिए अवैध रिश्वत ले रहा था।
रिश्वत की रकम बरामद होने के बाद आय से अधिक संपत्ति के संदेह में विजिलेंस ने उसके घर समेत तीन ठिकानों पर छापेमारी की।
मोहंती जीएसटी कार्यालय में वाणिज्यिक कर अधिकारी और जीएसटी प्रवर्तन इकाई अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। उसने एक व्यवसायी से जब्त किए गए कागजात वापस करने और मामले को शांत करने के लिए ८०,००० रुपये की रिश्वत की मांग की।
व्यापारी द्वारा विजिलेंस की शिकायत पर विजिलेंस ने आज दोपहर पारादीप मरीन ड्राइव रोड स्थित कर कार्यालय में छापा मारा.
कटक में उनके घर, केंद्रपाड़ा में उनके पैतृक घर और पारादीप के कार्यालय में और तलाशी ली जा रही है। छापेमारी के दौरान कार्यालय की अलमारी से एक लाख रुपये नकद भी बरामद किया गया.

उत्कल दिवस पर रिलीज हुआ मो ओडिशा शीर्षक गीत

राजेश दाहिमा
राजगांगपुर/राउरकेला:१ अप्रैल यानी उत्कल दिवस के पावन अवसर पर अमर म्यूजिक की ओर से यूट्यूब चैनल पर मौ ओडिशा शीर्षक गीत रिलीज किया गया है।
इस गाने में ओडिशा राज्य के ३० जिले के ३० सुप्रसिद्ध गायकों ने अपनी आवाज दी है। यह गाना भुवनेश्वर स्थित सोमेश स्टूडियो में रिकॉर्डिंग किया गया है और ओलीवुड के सुप्रसिद्ध म्यूजिक डायरेक्टर गुडली रथ ने अपने खूबसूरत संगीत से सजाया है और इस खूबसूरत गीत को सुर्य महापात्र ने कंपोज कर एक अनूठी मिसाल कायम रखने में सहायक बने।
ओडिशा राज्य के तीस गायकों में राउरकेला शहर में पले बढ़े सुप्रसिद्ध

गायक तरुण कुमार ने भी अपनी आवाज देकर शहर का गौरव बढ़ाने में सहायक बने।
बता दें।चौदह साल की उम्र में तरण कुमार को गाना गाने का शौक था और कम उम्र में ही उन्होंने अपनी मेहनत और काबिलियत की बदौलत राउरकेला शहर व आसपास इलाकों के सुप्रसिद्ध आर्केस्ट्रा ग्रुप में फिल्मी गीत सहित ओड़िया , संबलपुरी व झारखंडी भाषा का गीत प्रस्तुत कर आर्केस्ट्रा की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई। अपनी पहचान के बदौलत उन्होंने अपना एक अलग आर्केस्ट्रा ग्रुप बनाया और पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ हो या महाराष्ट्र या मध्यप्रदेश या झारखंड या बिहार में तरुण कुमार अपनी आवाज और कला के लिए किसी भी परिचय का मोहताज नहीं है।

रामनवमी जुलूस में उमड़ा जनसैलाब

जय श्री राम के नारों से गुंजायमान हो उठा

राजेश दाहिमा
राजगांगपुर:श्री श्री हनुमान झंडा उत्सव समिति की ओर से गुरुवार को दोपहर तीन बजे विधिः वत पूजा अर्चना के बाद बाबा तालाब से रामनवमी महोत्सव का भव्य जुलूस महाराज अखाड़ा, मधुसूदन कालोनी अखाड़ा, भट्टा पाड़ा अखाड़ा,महाबीर आखाड़ा, स्वाधीन कालोनी अखाड़ा व छत्रपति शिवाजी अखाड़ा कमेटी और कार्यकता को लेकर तालकीपाडा होते हुए मुख्य मार्ग स्थित मेटेनिटी होम समीप पहुंचा।
इस दौरान तालकीपाडा,लिपलोई किसान पाड़ा, बांठुपाडा, झोपड़ी पाड़ा,सिंघापाडा, स्टेशन पाड़ा और बरंगा खोल अखाड़ा जुलूस में शामिल होने के बाद जुलूस बस स्टैंड होते हुए सत्यनारायण मंदिर के पास पहुंचा।
जहां पर हर साल की तरह इस साल भी सत्यनारायण मंदिर की ओर से हनुमान जी की मूर्ति की आरती उतारी गई और भोग लगाया गया। इस मौके पर मंदिर के पुजारी हीरालाल दाधीच , आनंद दधिचि,शरत दधिचि व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।
कंधों पर राम लक्ष्मण को लिए तथा पैरों में महिषासुर का मर्दन करते हुए हनुमान जी की प्रतिमा और श्री राम जी की झांकी के अद्भुत दर्शन की झलक पाने के लिए सड़क के दोनों ओर भक्तों का जनसैलाब उमड़ा हुआ नजर आया। हनुमान जी की प्रतिमा व श्री राम जी की झांकी जुलूस का मुख्य आकर्षण का केंद्र बिंदु बना।
जुलूस शहीद चौक पर पहुंचने पर कुमार केला, बगीचा पाड़ा व लखुआ पाड़ा की अखाड़ा कमेटियां शामिल हुई।सुभाष चौक पर बारुपाडा ,मिशन हाता, एकता अखाड़ा व संगम अखाड़ा जुलूस में शामिल हुए। वहीं जुलूस के लाला बाबा मजार के पास पहुंचने पर आइटी कालोनी अखाड़ा शामिल हुआ।कुल २३ अखाड़ा कमेटियों के साथ भट्टा पाड़ा ओसीएल मार्केट होते हुए जुलूस लिपलोई लगभग रात ग्यारह बजे तक समाचार लिखे जाने तक पहुंच रहा था।
जुलूस में विभिन्न अखाड़ों के कार्यकर्ताओं द्वारा लाठी व गदा का खूबसूरत खेल का प्रदर्शन किया गया। वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से आई

बैंड व ताश पार्टियों का प्रदर्शन भी रामनवमी महोत्सव जुलूस का आकर्षण का केंद्र बिंदु बना।
वहीं दूसरी ओर रामनवमी महोत्सव जुलूस के मार्ग पर विभिन्न सेवाभावी संस्थाओं की ओर से निशुल्क खाने पीने के पचास से अधिक स्टाल लगाए गए थे। कहीं तरबूज,कहीं मसालेदार चाय,कहीं शरबत,कहीं आइसक्रीम बांटीं गयी। मारवाड़ी युवा मंच, राष्ट्रीय सेवक संघ,बस मालिक संघ, भाजपा,ट्रक मालिक संघ,लाल बाबा मजार कमेटी,श्री राम गली, शीतल मंदिर गली,डेली मार्केट, ओसीएल मार्केट निवासियों की ओर से निशुल्क खाने पीने की सुचारू व्यवस्था की गई थी।
रामनवमी जुलूस के दौरान जयंती जुवेर्लस के मालिक नारायण सोनी परिवार की ओर से ओड़िया और हिंदी की हनुमान चालीसा की पुस्तक का वितरण किया गया जो इस रामनवमी महोत्सव जुलूस का आकर्षण का केंद्र बिंदु भी बना।
पुलिस प्रशासन की ओर से जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए मस्जिद गली, इंदिरा चौक, आजाद गली, त्रिवेणी टॉकिज रोड को पाइप से बंद कर दिया गया था और बीजू पटनायक चौक से शहर में वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी।
मौके पर पुलिस महानिरीक्षक नीति शेखर, सुंदरगढ़ आरक्षी अधीक्षक प्रत्यूष दिवाकर, जिलापाल डॉ पराग हर्षद गवली, अतिरिक्त एसपी सुरेंद्र माझी, अतिरिक्त जिलापाल अभिमन्यु बेहरा , उपजिलापाल दशरथी सराबू उपस्थित थे।
वहीं दूसरी ओर जुलूस को शांतिपूर्ण माहौल से निकालने के लिए १५ प्लाटून पुलिस बल ,७ डीएसपी,१२ इंस्पेक्टर तथा ७० सब इंस्पेक्टर व अतिरिक्त इंस्पेक्टर जुलूस पर पैनी नजर गड़ाए हुए थे। वहीं दूसरी ओर १५० होम गार्ड व दस ट्राफिक पुलिस को भी जुलूस के दौरान तैनात किया गया था।
वहीं दूसरी राजगांगपुर एसडीपीओ अभिषेक पाणिग्राही, थाना प्रभारी बिबत्स कुमार प्रधान,कासबहाल थाना इंचार्ज खगेश्वर विश्वाल जुलूस के मार्ग पर अपनी पैनी नजर गड़ाए हुए नजर आए।
चेयरमैन माधुरी लुगुन , नगरपालिका ईओ गोविंद दंडसेना, वाइस चेयरमैन एमडी इरफान,बीडीओ पियूष लोहार, श्री श्री हनुमान झंडा उत्सव समिति के अध्यक्ष संदीप दास, मुख्य संरक्षक शेखर दधिचि, शंकर सिंह, दिलीप साहू, दीपक दुबे, विनोद दास ,राजन संन्यासी, सुरेश पुरोहित, जितेंद्र शर्मा , नगरपालिका पार्षद कौशल सिंह,श्रवेता अग्रवाल, गोवर्धन तांती, कांग्रेस टाउन अध्यक्ष देव रंजन विनोद, बेनेडिक तिर्की,रजनी कुल्लू, बीजद के युवा नेता रविंद्र प्रधान , अशोक दास, गुड्डा भाई, नगरपालिका के अन्य पार्षद गण मौजूद रहकर इस भव्य रामनवमी जुलूस को सफल बनाने में सहयोग किया।
वहीं दूसरी ओर इस मौके पर इफ्तकार अहमद उर्फ पाका बाबू,बीजद के ओडिशा राज्य के अल्पसंख्यक समुदाय के राज्य सचिव शोएब आलम, मुस्लिम पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष कुतूब रब्बानी, मिडिया प्रभारी मसूद अमन, शहजाद भाई,खालिद भाई, आबिद भाई ,रहिम भाई सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहकर भव्य रामनवमी जुलूस को शांतिपूर्ण माहौल में सफल बनाने में सहयोग किया।

नवरात्र में माता वैष्णो देवी के दर पहुंचे 3 लाख से जयादा श्रद्धालु

जम्मू । चैत्र नवरात्र का गुरुवार को समापन हो गया। नवरात्रि का त्योहार पूरे देशभर में पूरे भक्तिभाव और धूमधाम से मनाया गया। खासतौर पर हिंदुओं के पवित्र तीर्थ स्थल माता वैष्णो देवी पर नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की बेहद भारी भीड़ उमड़ी। यहाँ हालात ये थे कि माता वैष्णो देवी भवन में पांव तक रखने की जगह नहीं थी। इस बार नवरात्रों में माता वैष्णो देवी के दर्शन को लगभग 3.20 श्रद्धालु आए। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अनुसार, नवरात्रों में माता वैष?णो देवी के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ रही। बोर्ड के अनुसार, नवरात्रों के पावन 9 दिनों में माता वैष्णो देवी मंदिर में 3.20 लाख श्रद्धालुओं ने माथा टेककर आशीर्वाद लिया। श्राइन बोर्ड से ईएमएस को मिली जानकारी के अनुसार, नवरात्र पहले दिन 33,850, दूसरे दिन 32,678, तीसरे दिन 33,400, चौथे दिन पर 40,000 पाचवे दिन 43,000, छटवे दिन 35,000, सातवें दिन 35,000 और आठवे दिन 35,000 श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए और माथा टेका। पूरे नवरात्र के दौरान आधार शिविर कटरा और माता वैष्णो देवी भवन में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कटरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों में भारी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान रेलवे की तरफ से भी कटरा में यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। श्रद्धालु बसों, टैक्सी और निजी वाहनों से भी भारी संख्या में वैष्णो देवी पहुंचे। नवरात्रि में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा माता वैष्णो देवी के पवित्र मंदिर में सार्वभौमिक शांति, सद्भाव, समृद्धि और मानवता के स्वास्थ्य के लिए 9 दिन तक शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया गया था। जिसका गुरुवार को रामनवमी के पावन अवसर पर पूर्णाहुति के साथ समापन हो गया।

न सोने की जगह, न नहाने को पानी, तिहाड़ जेल में ठूस-ठूंसकर भरे जा रहे कैदी

नई दिल्ली। देश की तिहाड़ जेल में क्षमता से कहीं ज्यादा कैदियों को रखे जाने से भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। भीड़ ज्यादा होने से यहां कैदियों को नहाने और टॉयलेट जाने तक के लिए लाइनों में लगना पड़ रहा है। एक-एक घंटे बाद कैदियों का नंबर आ रहा है। जेल सूत्रों ने बताया कि नौ जेलों के कैंपस वाली तिहाड़ जेल में यूं तो जेल नंबर-1, 3 और 4 में क्षमता से कहीं अधिक कैदी बंद हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या यहां की जेल नंबर-4 में आना शुरू हो गई है। हद तो तब हो गई जब यहां 740 कैदियों को रखने की क्षमता वाली इस जेल में कैदियों की संख्या 3700 को पार कर गई है। तिहाड़ में इन दिनों क्षमता से पांच गुना से भी अधिक कैदी बंद हैं। इस मामले में तिहाड़ जेल के प्रवक्ता अरविंद कुमार ने बताया कि तिहाड़ की जेल नंबर-4 में क्षमता से पांच गुना से भी अधिक कैदी हो गए हैं। तिहाड़ की जेल नंबर-4 में कैदियों को रखने की क्षमता 740 कैदियों की है, लेकिन यहां 3750 कैदी बंद हैं। जेल अधिकारियों का कहना है कि मामले पर लगातार नजर रखी जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में कैदियों के लिए खाना बनाने के लिए हर दिन करीब 125 कैदियों को लगाना पड़ रहा है। सोने के लिए भी इस जेल में कैदियों के लिए जगह कम पड़ रही है। तिहाड़ की इस अकेली जेल नंबर-4 में कैदियों की संख्या छह जेलों के कैंपस वाली मंडोली जेल के लगभग बराबर हो गई है। छह जेलों वाली मंडोली जेल में 3800 से ज्यादा कैदी हैं, जबकि इस अकेली जेल नंबर-4 में कैदियों की संख्या 3700 से अधिक पहुंच चुकी है। इस जेल में फिलहाल कैदियों को पीने के पानी और खाने की दिक्कत नहीं होने दी जा रही है। भीड़ ज्यादा होने से कैदियों पर नजर रखने में भी दिक्कत हो रही है। कोरोना काल में जिन कैदियों को पैरोल और अंतरिम जमानत मिली थी उन्हें 15 दिनों के अंदर सरेंडर करने के आदेश दिए गए हैं। ऐसे में जेलों में कैदियों की संख्या और भी बढ़ने से भारी मु?श्किलें हो सकती हैं।

भिखारी को भी देना होगा भरण पोषण का खर्चा

चंडीगढ़ । पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला दिया है। याचिकाकर्ता (पति) यदि शारीरिक रूप से सक्षम है, तो उसे अपनी पत्नी को गुजारा भत्ता देना ही होगा। हाईकोर्ट ने यह भी कहा यदि कोई व्यक्ति भिखारी भी होगा, और वह शारीरिक रूप से सक्षम है। ऐसी स्थिति में यदि वह रोजाना मजदूरी भी करेगा,तो उसे 500 रूपये प्रतिदिन मजदूरी मिलती है। ऐसी स्थिति में उसे अपनी पत्नी का गुजारा भत्ता देने के अलावा और कोई विकल्प नहीं होगा। हाईकोर्ट ने पत्नी को 15000 रूपये प्रति माह भरण-पोषण राशि देने और 11000 रूपये मुकदमा खर्च देने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है,कि तलाक के एक मामले में पति ने अपनी आर्थिक हालत को बयां करते हुए गुजारा भत्ता देने से इनकार किया था। न्यायमूर्ति एचएस मदान ने अपने फैसले में कहा है, पति यदि भिखारी भी है, इसके बाद भी पत्नी के भरण पोषण करने की जिम्मेदारी पति की है। फैमिली कोर्ट के आदेश के विरुद्ध पति ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसे पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है।

15 लाख मोबाइल फोन बंद

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने गलत प्रमाण पत्र के आधार पर 15 लाख मोबाइल फोन के कनेक्शन काटने के आदेश दिए हैं। केंद्रीय संचार मंत्री देवुसिंह चौहान द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार साइबर क्राइम से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं। उसमें से एक कदम यह भी है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त प्रमाण पत्र पेश कर मोबाइल चिप लेकर गलत तरीके से मोबाइल का उपयोग किया जा रहा था। ऐसे 15 लाख कनेक्शन बंद कर दिए गए हैं।

नवनीत राणा का हिंदू शेरनी लिखा हुआ पोस्टर मुंबई में जगह-जगह लगा

-सांसद राणा ने यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को आड़े हाथों लिया

मुंबई । मुंबई में रामनवमी पर्व पर अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत रवि राणा ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर पोस्टर से निशना साधा। हनुमान चालीसा पंक्ति के चलते जेल जाने के लगभग एक साल बाद महिला सांसद ने गुरुवार को पलटवार किया। करीब एक साल पहले नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा को जेल जाना पड़ा था। अभिनेत्री से नेता बनी नवनीत राणा का पोस्टर उन्हें हिंदू शेरनी बताते हुए बांद्रा पूर्व, ठाणे, अमरावती और ठाकरे के घर मातोश्री के पास और अन्य स्थानों पर देखे गए। भगवान राम के 14 साल के वनवास से तुलना करते हुए सांसद नवनीत राणा को पोस्टरों पर भगवा रंग की साड़ी पहने दिखाया गया है, जिसमें लिखा है राजद्रोह और 14 दिन जेल में। सांसद नवनीत राणा ने यह भी घोषणा की कि 6 अप्रैल को हनुमान जयंती दिवस पर अमरावती में भगवान हनुमान की 111 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा, जिसके बाद वहां हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ होगा। पोस्टर में सबसे ऊपर दाएं कोने में भगवान राम की तस्वीर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और उनके पति रवि राणा की तस्वीरें हैं और भगवान हनुमान की प्रतिमा की एक तस्वीर है जिसका अगले महीने उद्घाटन किया जाना है।

बुलेट मोटरसाइकिल पर जय श्री राम व जय हनुमान के नारे लगाते निकलीं राणा

सांसद नवनीत राणा ने गुरुवार सुबह बुलेट मोटरसाइकिल की सवारी करके, चमकीले नारंगी रंग की टोपी के साथ गहरे काले रंग का सलवार-कुर्ता सूट पहनकर जय श्री राम और जय हनुमान के पूरे जोरों से नारे लगाते हुए रामनवमी समारोह का माहौल तैयार किया। पिछले साल अप्रैल में, नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा और उनके समर्थकों ने ठाकरे के बांद्रा स्थित घर के बाहर हनुमान चालीसा का जाप करने का प्रयास किया था। हालांकि, एमवीए शासन ने राणाओं को रास्ता नहीं दिया, उन्हें गिरफ्तार कर लिया और उन्हें जेल में डाल दिया, जबकि ठाकरे सरकार मुश्किल से तीन महीने बाद जून 2022 में गिर गई। बाद में, राणाओं को एक विशेष अदालत ने जमानत दे दी।

ममता पर गिरिराज का निशाना

बंगाल में ऐसा माहौल बना दिया है जैसे इस्लामिक स्टेट हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में रामनवमी के मौके पर हुई हिंसा को लेकर राजनीतिक जबरदस्त तरीके से जारी है हावड़ा में रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान जबरदस्त बवाल देखने को मिला। कई गाड़ियों में आगजनी भी कर दी गई। इसी को लेकर अब वह राजनीति शुरू हो गई है। तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जहां विपक्षी भाजपा पर हमलावर है तो ही भाजपा की ओर से भी पलटवार किया जा रहा है। इन सब के बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि ममता बनर्जी ने बंगाल में ऐसा माहौल बना दिया है ऐसा कि इस्लामिक स्टेट हो।

अपने बयान में गिरिराज सिंह ने कहा कि केवल हावड़ा नहीं पूरे बंगाल में भय का वातावरण बना हुआ था...ममता बनर्जी जो भाषण दे रही थी वो देश को शर्मसार करने वाला है। उन्होंने साफ तौर पर तुष्टीकरण की हद है। जिस समय उनका बयान आया उसके बाद ही आगजनी की ख़बरे शुरू हुई। उन्होंने अपना हमला डारी रखते हुए कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी ने ऐसा माहौल बना दिया है जैसे इस्लामिक स्टेट हो। इन सब के बीच खबर यह है कि रामनवमी पर आगजनी के एक दिन बाद आज हावड़ा में पथराव की एक और घटना हुई। मौके पर सुरक्षाकर्मी मौजूद हैं।

वहीं, पूरे मामले को लेकर ममता बनर्जी ने कहा कि हावड़ा की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हावड़ा में हिंसा के पीछे न तो हिंदू थे और ना ही मुस्लिम थे। बजरंग दल और अन्य ऐसे संगठनों के साथ भाजपा हथियारों के साथ हुई इस हिंसा में शामिल थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उन सभी लोगों की मदद करेगी जिनकी संपत्तियों को झड़पों के दौरान नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हावड़ा में बृहस्पतिवार को हुई हिंसा के सिलसिले में 31 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

हमें आगे चलने के लिए बैसाखियों की जरूरत नहीं : सिब्बल

-दिग्विजय के बयान से असहमति जाहिर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद राहुल गांधी को लेकर राजनैतिक वार-पलटवार का दौर जारी है। इसी कड़ी में कांग्रेस के पूर्व नेता, राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल साथ आ रहे हैं, क्योंकि वे देख रहे हैं कि क्या हो रहा है। इसके साथ ही सिब्बल ने कहा कि एक भी विपक्षी दल ऐसा नहीं है जो ईडी, सीबीआई के राडार पर न हो। सिब्बल ने कहा कि इन एजेंसियों का इस्तेमाल गैर-बीजेपी राज्य सरकारों को गिराने के लिए हो रहा है। पहले बीजेपी का लक्ष्य कांग्रेस मुक्त भारत था, लेकिन अब यह विपक्ष मुक्त राष्ट्र है। इसके साथ ही सिब्बल ने कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के बयान से असहमति जाहिर की। राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराने का संज्ञान लेने के लिए कांग्रेस नेता दिग्विजय द्वारा जर्मनी का आभार जताया गया था। लेकिन सिब्बल ने इससे अपनी अलग राय रखी है। सिब्बल ने कहा कि हमें विदेश से समर्थन की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमारी लड़ाई हमारी अपनी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमें आगे चलने के लिए बैसाखियों की जरूरत नहीं है। सिब्बल ने ट्वीट कर कहा, ''दिग्विजय भारत में लोकतंत्र से किस तरह खिलवाड़ किया जा रहा है, इसका संज्ञान लेने के लिए बर्लिन का शुक्रिया। मेरी राय में हमें आगे चलने के लिए बैसाखियों की जरूरत नहीं है। हमें विदेश से समर्थन की जरूरत नहीं है। हमारी लड़ाई हमारी अपनी है और उसमें हम एक साथ हैं।'' भाजपा ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा जर्मनी को धन्यवाद दिए जाने के बाद विपक्षी पार्टी पर 'भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के लिए विदेशी ताकतों को आमंत्रित करने' का आरोप लगाया था। इसके साथ ही राज्यसभा सांसद ने कहा कि मोदी हर जगह पिछड़ा (जाति) नहीं है, मोदी कोई संस्था नहीं है, तब ये किस आधार पर कह रहे हैं, कि राहुल गांधी ने ओबीसी लोगों का अपमान किया? तब वह माफी क्यों मांगे? उन्होंने कहा कि उन्हें (बीजेपी को) माफी मांगनी चाहिए क्योंकि वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, वे लोकतंत्र को खतरे में डालने की साजिश कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी दही को लेकर भाजपा पर हुए आगबबूला

बेंगलुरु । पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और भाजपा सरकार को कर्नाटक दुग्ध महासंघ (केएमएफ) को दही के पैकेट पर हिंदी शब्द दही प्रमुखता से लेबल करने और संबंधित कन्नड़ शब्द मोसरू को कोष्ठक में इस्तेमाल करने के निर्देश के लिए फटकार लगा दी है। जनता दल (एस) के नेता ने कहा कि ये स्वीकार्य नहीं है। केएमएफ के उत्पाद नंदिनी प्रोबायोटिक कर्ड पर दही शब्द की छपाई गलत है। उन्होंने कहा कि यह देश के लोगों के विरोध को जानने के बावजूद कर्नाटक में हिंदी भाषा थोपने के लिए किया गया है। कुमारस्वामी ने कहा कि हिंदी थोपना पिछले दरवाजे से नहीं हुआ है। थोपना सीधे आया है। डबल इंजन सरकार और उसकी सहायक केएमएफ ने चुपचाप इस स्वीकार कर लिया है। यह एक कन्नड़ विरोधी अधिनियम है। वहीं तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि एफएसएसएआई का ये कदम क्षेत्रीय भाषा को बढ़ावा देने की केंद्र की नीति के मुताबिक नहीं है। सीएम स्टालिन ने कहा था कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को देश के दक्षिणी हिस्से से निकाल देना चाहिए। राजनीतिक विवाद छिड़ने के बाद फूड सेफ्टी रेगुलेटर एफएसएसएआई ने अपने आदेश में संशोधन कर दही के पैकेट के प्रिंटेड लेबल में क्षेत्रीय नामों के इस्तेमाल की इजाजत दे दी। कहा गया कि फूड बिजनेस ऑपरेटर अब लेबल पर ब्रैकेट में क्षेत्रीय नाम के साथ दही शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भाजपा की 10 प्रतिशत वोट बैंक पर नजर, नीतीश कुमार के वोट बैंक में लगा रही सेंध

-कुशवाह समुदाय को साधने में जुटी भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने सियासी जंग तेज कर दी है। मीडिया के अनुसार भाजपा कुमार के वोट बैंक पर सेंध लगाने की योजना बना रही है। वहीं भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी का काम संभालने वाले सुनील ओझा को भी बिहार भेजा है। बिहार में भाजपा कुमार के लव-कुश वोट बैंक पर चोट देने की प्लानिंग कर रही है। इनमें भी पार्टी का खास फोकस कुशवाह वोट बेस पर है। दरअसल, लव-कुश कुर्मी और कोइरी जातियों से बना है, जो राज्य की आबादी में करीब 10 फीसदी की हिस्सेदारी करती है। अब कुर्मी समुदाय से आने वाले सीएम कुमार ने इनका चुनावी समर्थन हासिल कर लिया था।

भाजपा सासाराम में 2 अप्रैल को सम्राट अशोक का जन्मदिन मनाने की तैयारी कर रही है। कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल होने वाले हैं। राज्य में कुशवाह समुदाय सम्राट अशोक को अपने पूर्वज की तरह मानता है। बिहार भाजपा के प्रमुख सम्राट चौधरी का कहना है कि जिस लव-कुश गठबंधन के साथ कुमार ने बंधुआ मजदूर की तरह बर्ताव किया, वह भाजपा के साथ जाने जाएंगे।

भारतीय जनता पार्टी ने सम्राट चौधरी को बिहार इकाई का प्रमुख नियुक्त किया है। वह कुशवाह समुदाय से आते हैं। इसके अलावा पार्टी ने ओझा को बिहार का सह प्रभारी बनाया है। कहा जाता है कि वह पीएम मोदी के साथ मिलकर काम करते हैं और पूर्वी उत्तर प्रदेश में पार्टी का काम संभाल रहे थे। उनके अलावा राज्य में भाजपा की ओर से भीखूभाई डलसानिया की मौजूदगी भी होगी, जो भाजपा की बिहार इकाई के संगठन सचिव हैं। ओझा के अलावा भीखूभाई भी गुजरात से आते हैं और कई सालों तक मोदी के साथ काम कर चुके हैं। इसमें मुख्यमंत्री के तौर पर उनका गुजरात कार्यकाल भी शामिल है।

दिल्ली में हालात चिंताजनक नहीं, केजरीवाल बोले- सरकार लगातार स्थिति पर नजर रख रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते कोरोना वायरस के मामले को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज बड़ी बैठक की। बैठक के बाद केजरीवाल ने कहा कि कोरोना को मध्यनजर हम जरूरी कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार स्थिति पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि देश के छह राज्यों में कोरोना के केस बढ़ रहे हैं पर दिल्ली में हालात चिंताजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि कोरोना से लड़ने के लिए हम पास 7986 बेड तैयार हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों पर घबराने की ज़रूरत नहीं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली की तैयारी पुख़्ता है।

दिल्ली में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 295 नए मामले सामने आए और संक्रमण की दर 12.48 प्रतिशत रही। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। दिल्ली में पिछले साल 31 अगस्त के बाद एक दिन में सबसे अधिक 300 मामले बुधवार को सामने आए थे और दो लोगों की मौत हुई थी। संक्रमण दर 13.89 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

रुस के बाद चीन से सऊदी अरब की नजदीकी, भारत के लिए चिंता की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब के किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज ने समझौते ज्ञापन (एमओयू) को मंजूरी दी है, जिसमें सऊदी को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के डायलॉग पार्टनर का दर्जा मिला है। चीन के नेतृत्व वाले सुरक्षा ब्लॉक एससीओ में सऊदी अरब का शामिल होना दोनों देशों के बीच की बढ़ती करीबी के तौर पर देखा जा रहा है। किंग सलमान ने एमओयू पर मंजूरी के दौरान ही सऊदी अरब और चीन के बीच तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण के शुभारंभ को भी मंजूरी दी। भारत के महत्वपूर्ण ऊर्जा सहयोगी का चीन के करीब जाना भारत के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है।

भारत का महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार और पुराना मित्र रूस भी हाल के महीनों में चीन के बेहद करीब हो गया है। इसके बाद एक और महत्वपूर्ण साझेदार का चीन के पाले में जाना भारत के लिए चिंता का सबब बन गया है। एससीओ 8 सदस्य देशों से मिलकर बना है जिसमें चीन, रूस, भारत अहम देश हैं। ईरान, अफगानिस्तान सहित चार देश हैं, जिन्हें ऑब्जर्वर देश का दर्जा मिला है। वहीं, सऊदी अरब को मिलाकर एससीओ में अब 9 डायलॉग पार्टनर हो गए हैं। सऊदी अरब और चीन की बढ़ती करीबी का ही नतीजा है कि ईरान और सऊदी ने अपनी दुश्मनी को भुलाकर हाल ही में राजनयिक रिश्तों को फिर से बहाल किया है।

अब सलाखों के पीछे कैदी नंबर 17052 बन गया अतीक अहमद

- सलाखों के पीछे अपने प्रभाव का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा अतीक, करना पड़ेगा काम

इलाहाबाद (एजेंसी)। उमेश पाल हत्याकांड मामले में आजीवन सश्रम कारावास की सजा पाने वाला माफिया अतीक अब सलाखों के पीछे कैदी नंबर 17052 बन गया है। अब वह दूसरे कैदियों की तरह जेल की वर्दी पहनेगा और काम करेगा। सलाखों के पीछे वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। बताया गया है कि साबरमती जेल प्रशासन की ओर से सजायाफ्ता कैदी नंबर और वर्दी आवंटित किए जाने के बाद अतीक के हावभाव बदल गए हैं। उसे जेल

मैनुअल के अनुसार काम की सूची सौंपी गई है, ताकि उसकी अवस्था के अनुसार काम लिया जा सके। पिछले कई साल से सलाखों के पीछे कथित रूप से आराम करने वाले अतीक के लिए जेल का माहौल पहले जैसा नहीं रहेगा। पुकार लगाने पर उसका नाम लेने की बजाय कैदी नंबर बुलाया जाएगा। दूसरे कैदियों की तरह अतीक भी लाइन में खड़ा होकर खाना लेगा और काम करेगा।

जानकारों का कहना है कि अतीक नैनी, देवरिया, बरेली सहित कई जेलों में रह चुका है, लेकिन उसके शौक कम नहीं होते थे। वह जेल अधिकारियों और कर्मचारियों पर प्रभाव जमाता रहा है। देवरिया जेल में लखनऊ के बिल्डर और प्रयागराज के प्रापर्टी डीलर की बेरहमी से पिटाई भी की थी। साबरमती जेल में रहते हुए उसने एक शख्स को फोन करके धमकी दी थी तो दूसरे से रंगदारी मांगी थी। उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की हत्या की तफ्तीश में यह बात सामने आई थी कि अतीक आइफोन पर फेस टाइम एप के जरिए गुर्गों से संपर्क में था। मगर अब वह सजायाफ्ता कैदी हो गया है तो उसकी हनक भी कम होने की बात कही जा रही है। उधर, नैनी जेल में बंद अतीक के वकील खान सौलत हनीफ व दिनेश पासी को भी एक सप्ताह में कैदी नंबर आवंटित कर दिया जाएगा और उनसे काम भी लिया जाएगा। इनको भी सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

नवजोत सिंह सिद्धू के लिए खुशखबरी, पटियाला जेल से शनिवार को होंगे रिहा, ट्वीट कर दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेटर से राजनेता बने नवजोत सिंह सिद्धू के लिए खुशखबरी है। नवजोत सिंह सिद्धू शनिवार को पटियाला जेल से रिहा हो सकते हैं। इस बात की जानकारी सिद्धू के ट्विटर हैंडल से दी गई है। हालांकि पंजाब सरकार की ओर से इसको लेकर विधिवत जानकारी नहीं दी गई है। कई कैदियों की रिहाई को लेकर पंजाब सरकार की बैठक चल रही है। आपको बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू 1990 के एक रोडवेज मामले में 1 साल की सजा काट रहे हैं। 20 मई 2022 को उन्हें पटियाला जेल में बंद किया गया था। नवजोत सिंह सिद्धू देश के वरिष्ठ राजनेता रह चुके हैं। वह भाजपा के सांसद रह चुके हैं।

बाद में सिद्धू कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। उन्हें पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया। हालांकि, उनके नेतृत्व में पंजाब में कांग्रेस की हार हुई थी। नवजोत सिंह सिद्धू को 19 मई 2022 को 1 साल की सजा सुनाई गई थी। नियमों के मुताबिक उन्हें 18 मई तक जेल में रहना था। लेकिन कैदियों को हर महीने 4 दिन की छुट्टी भी मिल जाती है। सिद्धू ने इस दौरान एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है। ऐसे में उन्हें जेल से 48 दिन पहले रिहा किया जा सकता है। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर भी उनके जेल से रिहाई की उम्मीद थी। 50 कैदियों को गणतंत्र दिवस पर विशेष छूट दी जाती है। उनमें सिद्धू का भी नाम आ सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

इससे पहले नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी ने एक भावुक पत्र लिखा था। नवजोत कौर सिद्धू ने ट्विटर पर खुलासा किया कि उन्हें स्टेज 2 कैंसर का पता चला है। कांग्रेस नेता को निर्दोष बताते हुए उन्होंने लिखा, कांग्रेस नेता ने पति को लेकर लिखा कि हर दिन आपका इंतजार करना शायद आपसे ज्यादा तकलीफ देता है। उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह आपके दर्द को दूर करने की कोशिश करते हुए इसे साझा करने के लिए कहा। वह एक ऐसे अपराध के लिए जेल में हैं, जो उन्होंने किया ही नहीं है। इसमें शामिल सभी लोगों को माफ कर दें।

बकरियों की उपयोगी नस्लें

ब्लैक बंगालः इस जाति की बकरियाँ पश्चिम बंगाल, झारखंड, असोम, उत्तरी उड़ीसा एवं बंगाल में पायी जाती है। इसके शरीर पर काला, भूरा तथा सफेद रंग का छोटा रोंआ पाया जाता है। अधिकांश (करीब 80 प्रतिशत) बकरियों में काला रोंआ होता है। यह छोटे कद की होती है वयस्क नर का वजन करीब 18-20 किलो ग्राम होता है जबकि मादा का वजन 15-18 किलो ग्राम होता है। नर तथा मादा दोनों में 3-4 इंच का आगे की ओर सीधा निकला हुआ सींग पाया जाता है। इसका शरीर गठीला होने के साथ-साथ आगे से पीछे की ओर ज्यादा चौड़ा तथा बीच में अधिक मोटा होता है। इसका कान छोटा, खड़ा एवं आगे की ओर निकला रहता है।

इस नस्ल की प्रजनन क्षमता काफी अच्छी है। औसतन यह 2 वर्ष में 3 बार बच्चा देती है एवं एक वियान में 2-3 बच्चों को जन्म देती है। कुछ बकरियाँ एक वर्ष में दो बार बच्चे पैदा करती है तथा एक बार में 4-4 बच्चे देती है। इस नस्ल की मेमना 8-10 माह की उम्र में वयस्कता प्राप्त कर लेती है तथा औसतन 15-16 माह की उम्र में प्रथम बार बच्चे पैदा करती है। प्रजनन क्षमता काफी अच्छी होने के कारण इसकी आबादी में वृद्धि दर अन्य नस्लों की तुलना में अधिक है। इस जाति के नर बच्चा का मांस काफी स्वादिष्ट होता है तथा खाल भी उत्तम कोटि का होता है। इन्हीं कारणों से ब्लैक बंगाल नस्ल की बकरियाँ मांस उत्पादन हेतु बहुत उपयोगी है। परन्तु इस जाति की बकरियाँ अल्प मात्रा (15-20 किलो ग्राम/वियान) में दूध उत्पादित करती है जो इसके बच्चों के लिए अपर्याप्त है। इसके बच्चों का जन्म के समय औसत् वजन 1.0-1.2 किलो ग्राम ही होता है। शारीरिक वजन एवं दूध उत्पादन क्षमता कम होने के कारण इस नस्ल की बकरियों से बकरी पालकों को सीमित लाभ ही प्राप्त होता है।

यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

जमुनापारी

जमुनापारी भारत में पायी जाने वाली अन्य नस्लों की तुलना में सबसे उँची तथा लम्बी होती है। यह उत्तर प्रदेश के इटावा जिला एवं गंगा, यमुना तथा चम्बल नदियों से घिरे क्षेत्र में पायी जाती है। एंग्लोनुवियन बकरियों के विकास में जमुनापारी नस्ल का विशेष योगदान रहा है।

इसके नाक काफी उभरे रहते हैं। जिसे 'रोमन' नाक कहते हैं। सींग छोटा एवं चौड़ा होता है। कान 10-12 इंच लम्बा चौड़ा मुड़ा हुआ तथा लटकता रहता है। इसके जाँघ में पीछे की ओर काफी लम्बे घने बाल रहते हैं। इसके शरीर पर सफेद एवं लाल रंग के लम्बे बाल पाये जाते हैं। इसका शरीर बेलनाकार होता है। वयस्क नर का औसत वजन 70-90 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 50-60 किलो ग्राम होता है।

इसके बच्चों का जन्म समय औसत वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्र में औसतन 1.5 से 2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध तथा मांस उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ सलाना बच्चों को जन्म देती है तथा एक बार में करीब 90 प्रतिशत एक ही बच्चा उत्पन्न करती है। इस जाति की बकरियाँ मुख्य रूप से झाड़ियाँ एवं वृक्ष के पत्तों पर निर्भर रहती है। जमुनापारी नस्ल के बकरों का प्रयोग अपने देश के विभिन्न जलवायु में पायी जाने वाली अन्य छोटे तथा मध्यम आकार की बकरियाँ के नस्ल सुधार हेतु किया गया। वैज्ञानिक अनुसंधान से यह पता चला कि जमनापारी सभी जलवायु के लिए उपयुक्त नही हैं।

बारबरी

बारबरी मुख्य रूप से मध्य एवं पश्चिमी अफ्रीका में पायी जाती है। इस नस्ल के नर तथा मादा को पादरियों के द्वारा भारत वर्ष में सर्वप्रथम लाया गया। अब यह उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा एवं इससे लगे क्षेत्रों में काफी संख्या में उपलब्ध है।

यह छोटे कद की होती है परन्तु इसका शरीर काफी गठीला होता है। शरीर पर छोटे-छोटे बाल पाये जाते हैं। शरीर पर सफेद के साथ भूरा या काला धब्बा पाया जाता है। यह देखने में हिरण के जैसा लगती है। कान बहुत ही छोटा होता है। थन अच्छा विकसित होता है। वयस्क नर का औसत वजन 35-40 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 25-30 किलो ग्राम होता है। यह घर में बांध कर गाय की तरह रखी जा सकती है। इसकी प्रजनन क्षमता भी काफी विकसित है। 2 वर्ष में तीन बार बच्चों को जन्म देती है तथा एक वियान में औसतन 1.5 बच्चों को जन्म देती है। इसका बच्चा करीब 8-10 माह की उम्र में वयस्क होता है। इस नस्ल की बकरियाँ मांस तथा दूध उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ औसतन 1.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

सिरोही

सिरोही नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से राजस्थान के सिरोही जिला में पायी जाती है। यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

विदेशी बकरियों की प्रमुख नस्लें

अल्पाइन - यह स्विटजरलैंड की है। यह मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए उपयुक्त है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्रों में औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

एंग्लोनुवियन -

यह प्रायः यूरोप के विभिन्न देशों में पायी जाती है। यह मांस तथा दूध दोनों के लिए उपयुक्त है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता 2-3 किलो ग्राम प्रतिदिन है।

सानन -

यह स्विटजरलैंड की बकरी है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता अन्य सभी नस्लों से अधिक है। यह औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन अपने गृह क्षेत्रों में देती है।

टोगेनवर्ग -

टोगेनवर्ग भी स्विटजरलैंड की बकरी है। इसके नर तथा मादा में सींग नहीं होता है। यह औसतन 3 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

बीटल

बीटल नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से पंजाब प्रांत के गुरदासपुर जिला के बटाला अनुमंडल में पाया जाता है। पंजाब से लगे पाकिस्तान के क्षेत्रों में भी इस नस्ल की बकरियाँ उपलब्ध है। इसका शरीर भूरे रंग पर सफेद-सफेद धब्बा या काले रंग पर सफेद-सफेद धब्बा लिये होता है। यह देखने में जमनापारी बकरियाँ जैसी लगती है परन्तु ऊँचाई एवं वजन की तुलना में जमुनापारी से छोटी होती है। इसका कान लम्बा, चौड़ा तथा लटकता हुआ होता है। नाक उभरा रहता है। कान की लम्बाई एवं नाक का उभरापन जमुनापारी की तुलना में कम होता है। सींग बाहर एवं पीछे की ओर घुमा रहता है। वयस्क नर का वजन 55-65 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 45-55 किलो ग्राम होता है। इसके वच्चों का जन्म के समय वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इसका शरीर गठीला होता है। जाँघ के पिछले भाग में कम घना बाल रहता है। इस नस्ल की बकरियाँ औसतन 1.25-2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ सलाना बच्चे पैदा करती है एवं एक बार में करीब 60त बकरियाँ एक ही बच्चा देती है। बीटल नस्ल के बकरों का प्रयोग अन्य छोटे तथा मध्यम आकार के बकरियों के नस्ल सुधार हेतु किया जाता है। बीटल प्रायः सभी जलवायु हेतु उपयुक्त पाया गया है।

पपीता

पपीता भारत वर्ष में पूरे साल पैदा होता है। यह एक सर्वलिंगी पौधा है तथा इसमें नर, उभयलिंगी और मादा पौधे पाए जाते हैं। इसको उगाने के लिए कम जगह की आवश्यकता होती है तथा इसमें एक वर्ष में ही फल आना शुरू हो जाते हैं।

किस्में : पूसा डेलीसियस, पूसा मैजिस्टी, पूसा जायन्ट, पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, सूर्या, हनीड्यू, कुर्ग हनीड्यू, वाह्निंगटन, कोयम्बटूर-1, कोयम्बटूर-2, कोयम्बटूर-3, कोयम्बटूर-5, कोयम्बटूर-6, कोयम्बटूर-7, सोलो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना : पपीते का प्रवर्धन बीज द्वारा किया जाता है। एक हैक्टेयर खेत में पौध लगाने के लिए लगभग 250-300 ग्रा. बीज की आवश्यकता होती है। पपीते की नर्सरी के लिए 10 सें.मी. ऊँची, 3 मी. नमबी तथा 1 मी. चौड़ी क्यारी बनानी चाहिए। पपीते की पौध को पॉलीथीन के थैलों में भी तैयार किया जा सकता है। नर्सरी हेतु अथवा पॉलीथीन के थैलों में भरने हेतु बालू, मिटटी तथा गोबर की सड़ी हुई खाद की समान अनुपात में मिलाकर मिश्रक तैयार करना चाहिए। बुवाई से पहले बीज को मीनोसान 0.1 प्रतिशत की दर से उपचारित करते हैं जिससे डैम्पिंग ऑफ कम होता है।

सस्य क्रियाएँ : रोपक करने से पहले भूमि की अच्छी तरह जुताई करके सममतल बना लेते हैं। पौधे लगाने के लिए 60*60*60 सें.मी. आकार का गड्ढा तैयार करना चाहिए। एक गड्ढे में 20 कि.ग्रा. सड़ी हुइ गोबर की खाद, 1 कि.ग्रा. नीम खली तथा 1 कि.ग्रा. बोन मील की आवश्यकता होती है। पपीते का रोपक मुख्यतः फरवरी-मार्च में किया तजाता हे इसके अलावा मानसून तथा शीतकाल में भी रोपक कर सकते हैं। पपीते में पौधों की संघनता किस्म, भूमि तथा जलवायु पर निर्भर करती है। पौधे से पौधे तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 2.1 ग 2.1 मी. अधिकांशतः किस्मों में रखी जाती है ओर पूसा नन्हा के लिए 1.2 ग 1.2 मी. का प्रयोग करते हैं। जहाँ हवाएँ तेज चलती है तथा पत्तियों का नुकसान होता है वहाँ पपीते के बगानों के चारों तरफ हवा रोधक पौधे लगाना चाहिए। द्विलिंगी किस्मों के पपीते के बागों में 10ः1 के अनुपात में मादा तथा नर पौधे रखना चाहिए। पपीते की अच्छी उपज, बढ़वार तथा गुकवत्ता के लिए र्प्याप्त सिंचाई करना आवश्यक होता है।

उवंरण व खाद : पपीते की फसल बागवानी के लिए खाद एवं उर्वरण की समुचित मात्रा की आवश्यकता होती है। सामान्यतः पपीते के पौधों को नत्रजन 200-250 ग्रा., 200-250 ग्रा. फॉस्फोरस तथा 200-250 ग्रा. पोटाश 4 से 6 बराबर भागों में विभक्त करके देते हैं।

खरपतवार नियंत्रण : पपीते की अच्छी बढ़वार के लिए 2-3 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है तथा लूक्लोरेलिन 2.0 ग्रा./है. की दर से छिड़काव करना चाहिए।

तुड़ाई एवं उपज : पपीते के फल पूरी तरह से पकने के बाद ही तुड़ाई करते हैं तथा इसकी उपज 30-45 फल/पौधा होती है। लेभग 60-75 टन/है. उपज भी मिलती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

1. जब फलों का रंग हरे से पीले में परिवर्तित होना शुरू हो जाए तो तुड़ाई करें।
2. आकार व रंग के आधार पर वग्रीकृत कर गत्ते के बक्सों में पैक करें।
3. 10-12 डिग्री से. तापमान व 80 प्रतिशत सापेक्ष आर्द्रता पर 15-20 दिनों तक भण्डारित करें।
4. कच्चे पपीते से पर्पन निकालें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट (रेड स्पाइडर माइट)

लाल मकड़ी माइट पत्ती व फलों से रस चूसती है जिससे पत्ते पीले पड़ जाते हैं व फलों की सतह खुरदरी भूरे रंग की जाती है। फलों पर ध्ब्बे भी बन जाते हैं।

इस कीट के नियंत्रण के लिए कैल्थेन 18.5 इ.सी. 2-3 मि.लि. /लिटर या आबामेक्टिन 1.9 ई.सी. 1 मि.लि./2 लिटर या मेथइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./ लिटर का छिड़काव करें।

2. फल मक्खी (फ्रूट फलाई)

फल सब्जी तुड़ाई से पहले पके हुए फलों को नुकसान पहुँचाती हैं। इस कीट के नुकसान के लक्षण व प्रबंधन आम के न्तिर्गत दर्शाए गए हैं।

3. सूत्रकृमि (नेमाटोड)

पपीते की फसल को जड़गांठ (रूट नॉट) एवं रीनिुॉर्म काफी नुकसान पहुँचाते हैं। ग्रसित पौधों की जड़ों में मांठें बनने से पौधे बौने रह जाते हैं व पत्ते पीले होकर सूख जाते हैं।

प्रबंधन

1. पपीते की सूत्रकृमि प्रतिरोधी किस्म जैसे पूसा मजेस्टी लगाएँ।
2. कार्बोफ्चूरॉन 3 जी 3-4 ग्राम/पौधा प्रयोग करें।

4. रस चूसने वाले कीट

चेपा (एफिड) व सफेद मक्खी (व्हाइट फलाई) रस खूसकर पौधों को नुकसान पहुँचाते हैं। लेकिन ज्यादा नूकसान इनके द्वारा वाइरस बीमारियाँ फैलाने से होता है।

इन कीटों की रोकथाम के लिए डाईमेथोएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./ लिटर या मेथाइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या इमिडाक्लोप्रिड. 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर पानी की दर से छिड़कें।

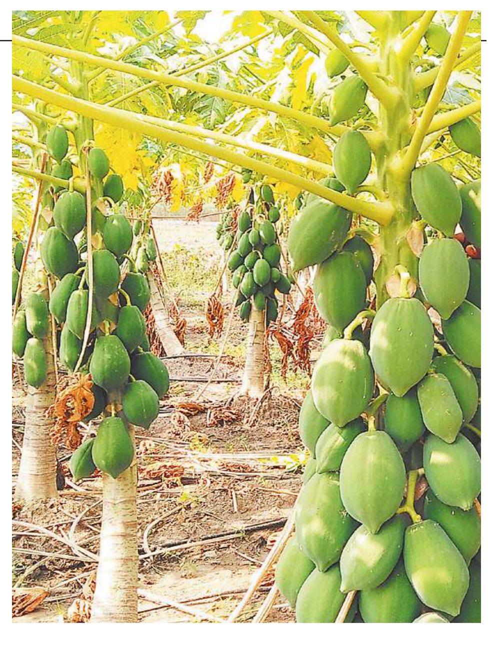

कंगाल पाकिस्तान में नया संकट, पायलट देश छोड़कर भाग रहे

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की महाकंगाली का असर अब हर सेक्टर में दिखाने लगा है। पाकिस्तानी संसद की विमानन मामलों की स्टैंडिंग कमिटी को सूचना दी गई कि बड़ी संख्या में पायलट हाल ही में देश छोड़कर चल गए हैं। दरअसल, इन पायलटों को अपनी सैलरी में भारी कटौती का डर सता रहा है जो ज्यादा टैक्स के नाम पर कंगाल पाकिस्तान सरकार ले सकती है। कंगाल हो चुकी सरकारी विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनैशनल एयरलाइंस के सीईओ अमीर हयात ने बताया कि 15 पायलट हाल ही में देश छोड़कर चले गए हैं। हयात ने कहा कि पीआईए नए पायलटों की भर्ती करना चाहती है, लेकिन मंजूरी नहीं मिल पा रही है। कमिटी के चेयरमैन सीनेटर हिदायतुल्ला ने कहा कि पायलट बनने के सपना देख रहे लोगों का भविष्य संकट में पड़ सकता है। उन्होंने पाकिस्तानी सांसदों से अपील की कि वे इस टैक्स के पूरे मामले को सरकारी नियामक संस्था के साथ उठाएं। सीनेट कमिटी को नागरिक विमानन प्राधिकरण ने विदेशी विमानन कंपनियों को हवाई रास्ता नहीं देने के कारणों के बारे में बताया गया। पाकिस्तान ने कई विदेशी एयरलाइन कंपनियों के डॉलर रोक रखा है जिससे अब ये कंपनियां पाकिस्तानी कस्टमर से कह रही हैं कि वे डॉलर में भुगतान करके अपने टिकट खरीदें। सीनेट कमिटी को बताया गया है, कि यात्री वीपीएन का इस्तेमाल करके टिकट खरीद रहे हैं। इससे उन्हें पाकिस्तान में खरीदे जाने वाले टिकट से कम दाम में टिकट मिल जा रहा है। पाकिस्तान ने कंगाली दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर टैक्स बढ़ा दिया है। यही नहीं कमिटी के मुलाकात में खुलासा हुआ कि पाकिस्तान इंटरनैशनल एयरलाइन के 141 पायलट के लाइसेंस संदिग्ध हैं। इससे पहले खुलासा हुआ था कि पाकिस्तान के कई पायलट ने पैसे देकर एयरलाइन पायलट का लाइसेंस हासिल किया था। इसके बाद कई पायलटों की उड़ान पर रोक लगा दी गई थी। इस दौरान पायलटों की फेक डिग्री का भी मुद्दा उठा। पीआईए ने बताया कि कई पायलटों को फर्जी डिग्री के साथ पकड़ा गया है और उन्हें बर्खास्त किया गया है। इस दौरान यह भी खुलासा हुआ कि पाकिस्तान की सरकारी एयरलांइस पीआईए को अरबों रुपये का बकाया चुकाना है।

महाराज चार्ल्स तृतीय जर्मन संसद को संबोधित करने वाले पहले राष्ट्र प्रमुख

लंदन । महाराज चार्ल्स तृतीय को जर्मन संसद बुंडेस्टैग को संबोधित करने वाले ब्रिटेन के पहले राष्ट्र प्रमुख बन गए। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित अपनी यात्रा के दौरान जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज से भी मुलाकात की। खचाखच भरे निचले सदन में सांसदों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित कर चार्ल्स ने ब्रिटेन और जर्मनी के बीच घनिष्ठ संबंधों पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने हनोवर के राजघराने से अपने पारिवारिक संबंध और वर्तमान आर्थिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक तथा दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग का जिक्र किया। चार्ल्स ने कहा कि रूस के आक्रमण को रोकने के प्रयासों में लंदन और बर्लिन ने यूक्रेन को काफी सहायता प्रदान की है। चार्ल्स ने जब अपना संबोधन समाप्त किया, तब सांसदों ने काफी समय तक खड़े होकर तालियां बजाईं, जो जर्मनी की संसद में शायद ही कभी देखा गया हो। चार्ल्स (74) ब्रिटेन की राजगद्दी पर आसीन होने के बाद बुधवार को पहली विदेश यात्रा पर बर्लिन पहुंचे और उनके साथ रानी कैमिला भी हैं। जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक वाल्टर स्टेनमीयर और लोगों की भीड़ ने राजधानी स्थित ऐतिहासिक ब्रांडेनबर्ग गेट पर उनका स्वागत किया।

फेसबुक पर फ्रांस के राष्ट्रपति का अपमान, ठोंका 10 लाख रुपये जुर्माना

पेरिस । फेसबुक पर एक महिला को फ्रांस के राष्ट्रपति का अपमान करना भारी पड़ गया है। उस पर भारी जुर्माना ठोंका गया है। जानकारी के मुताबिक एक महिला को अपनी फेसबुक पोस्ट में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को 'गंदा' बताने के आरोप में सजा मिली है। इस मामले में महिला को दोषी पाए जाने के बाद 12,000 यूरो (लगभग 10 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया गया है। महिला के फेसबुक पोस्ट पर शिकायत दर्ज करने के बाद उसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक यह शिकायत उसके फेसबुक पेज पर 21 मार्च को किए गए एक पोस्ट पर केंद्रित थी। जिसके एक दिन पहले मैक्रों ने अपने विवादास्पद पेंशन सुधारों का बचाव करने के लिए एक इंटरव्यू दिया था। जिसने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में आग में घी डालने का काम किया था। महिला ने फेसबुक पर लिखा था, 'गंदगी का यह टुकड़ा आपको दोपहर 1 बजे संबोधित करने वाला है। हम हमेशा टीवी पर ही इस गंदगी को देखते हैं।' गौरतलब है ?कि यह महिला पहले से ही मैक्रों की विरोधी रही हैं। वह साल 2018-2019 के 'येलो वेस्ट' प्रोटेस्ट की समर्थक रही हैं. उस समय इस विरोध प्रदर्शन ने मैक्रों की सरकार को हिला कर रख दिया था। वैलेरी नाम की महिला ने कहा कि शुक्रवार की सुबह जब पुलिस ने उनके घर पर दस्तक दी तो वह यह जानकर हैरान रह गईं कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने आई है। महिला ने कहा, 'मैंने उनसे पूछा कि क्या यह मजाक है. मुझे कभी गिरफ्तार नहीं किया गया था.' महिला ने कहा, 'मैं जनता की दुश्मन नंबर एक नहीं हूं। गौरतलब है कि पेंशन सुधार के खिलाफ महीनों से चले आ रहे विरोध आंदोलन ने फ्रांस में मैक्रों के खिलाफ तनाव को बढ़ा दिया है।

अफ्रीका में रहस्यमय वायरस का प्रकोप,, नाक से खून निकलते ही मौत

गिटेगा। अफ्रीकी देश बुरुंडी के लाखों लोगों को एक अज्ञात वायरस ने घेर लिया है। इस रहस्यमय वायरस के प्रकोप ने इतना भय का माहौल बना रखा है कि लोग जान की मुश्किल में पड़ गए हैं। जानकारी के मुताबिक, कस्बे के बजीरो इलाके में एक रहस्यमयी वायरस के कारण कुछ लोगों की नाक से खून निकलने से अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। अज्ञात बग के कारण बुखार, सिरदर्द, चक्कर और उल्टी सहित कई लक्षण लोगों को परेशान कर रहे हैं. देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राधिकरण इसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं। देश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि वे पहले ही इबोला और मारबर्ग की आशंका से इनकार कर चुके हैं। इस बीच दो लोगों को एक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाए जाने के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने बाज़ीरो क्षेत्र को प्रतिबंधित कर दिया है। इस मामले में मिगवा स्वास्थ्य केंद्र की एक नर्स ने कहा कि यह बीमारी 'जल्दी मारती है'. अस्पताल पहुंचने से 24 घंटे से भी कम समय पहले तीन मरीजों की नाक से खून बहने लगा था जिनकी मौत हो गई। बुरुंडियन स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि वायरस एक संक्रामक रक्तस्रावी बग प्रतीत होता है। हालां ?कि इस महीने की शुरुआत में, पड़ोसी तंजानिया ने मारबर्ग प्रकोप की घोषणा की थी, जिसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएच ?ओ एचओ ने आस-पास के देशों को 'बहुत उच्च जोखिम' इलाका घोषित किया था।

मस्क ने ओबामा को पछाड़ा, ट्विटर पर सबसे ज्यादा फॉलोअर्स

वॉशिंगटन । ट्विटर के सीईओ एलन मस्क सबसे ज्यादा फालोअर्स वाले व्यक्ति बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले साल 44 अरब डॉलर में ट्विटर खरीदने वाले अरबपति एलन मस्क के फॉलोअर्स की संख्या ओबामा के 133,042,819 की तुलना में अब 133,068,709 फॉलोअर्स हैं। 113 मिलियन से अधिक ट्विटर फॉलोअर्स के साथ जस्टिन बीबर और 108 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ कैटी पेरी जैसी शीर्ष हस्तियां क्रमश: तीसरे और चौथे सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले स्थानों पर हैं। मस्क पिछले साल जून में 100 मिलियन फॉलोअर्स-मार्क तक पहुंचे और तब से उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त वृद्धि हुई है। जबकि ओबामा शायद ही कभी ट्वीट करते हैं, विशेष रूप से वह एक प्रमुख सामाजिक कारण को बढ़ावा देने या अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने काम को उजागर करने वाले ट्वीट करते हैं, जबकि मस्क दुनिया में ट्रेंड करने वाले लगभग सभी विषयों पर बाएं, दाएं और केंद्र में ट्वीट करते रहते हैं। मस्क ने फरवरी में कहा था कि वह अपने ट्विटर अकाउंट को यह देखने के लिए निजी बना रहे हैं कि क्या यह पहुंच में सुधार करता है। उन्होंने पोस्ट किया, मेरे अकाउंट को कल सुबह तक के लिए निजी कर दिया गया ताकि यह जांचा जा सके कि क्या आप मेरे सार्वजनिक ट्वीट्स की तुलना में मेरे निजी ट्वीट्स अधिक देख सकते हैं। इसका मतलब यह था कि अरबपति के ट्वीट केवल उनके फॉलोअर्स ही देख सकते थे और कोई भी मस्क के ट्वीट को रीट्वीट करने में सक्षम नहीं था। मस्क ने बाद में अपने खाते से निजी सेटिंग हटा दी थी।

नेसविली कांनवेंट स्कूल में हुई गोलीबारी का विरोध करते हुए लोग बैनर लेकर बंदूक संस्कृति का विरोध करते हुए।

राष्ट्रपति चुनाव के पहले ही ट्रंप पर लगे आरोप, हो सकती है जेल

वॉशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें उस समय और बढ़ गई जब उनपर किसी पोर्न स्टार को पैसे देने का आरोप लगाया है। ट्रंप को उनके 2016 के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान के दौरान एक पॉर्न स्टार को गुपचुप तरीके से पैसे देने के लिए दोषी ठहराया है। इसी के साथ ट्रंप आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए हैं। सीएनएन के अनुसार, ट्रंप जल्दी ही कोर्ट में पेश हो सकते हैं। ट्रंप के खिलाफ यह फैसला तब आया है जब वह अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। न्यूयॉर्क ग्रैंड जूरी ने ट्रंप को स्ट्रॉर्मी डेनियल्स नामक पॉर्न स्टार को गुपचुप तरीके से पैसे देने के लिए दोषी ठहराया है। 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले एक चौंकाने वाले खुलासे को दबाने के लिए भीतर ही भीतर एक गहन बातचीत हुई। यह खुलासा ट्रंप और डेनियल के रिश्ते को लेकर था। दावा किया गया कि ट्रंप और पॉर्न स्टार, जिनका असली नाम स्टेफनी क्लिफोर्ड है, साल 2006 में रिलेशनशिप में थे। इससे एक साल पहले 2005 में ट्रंप की शादी उनकी वर्तमान पत्नी मेलानिया ट्रंप से हुई थी। हालांकि ट्रंप ने पूरे मामले में खुद को दोषमुक्त करार दिया है। उन्होंने जांच पर सवाल उठाए हैं और इस मुकदमे को राजनीतिक उत्पीड़न करार दिया है। वर्तमान में ट्रंप 2024 के चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में अपनी गिरफ्तारी की आशंका जताई थी। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने अपने समर्थकों से विरोध प्रदर्शन करने के लिए कहा था। पहले भी ट्रंप अपने समर्थकों का इस्तेमाल चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने के लिए कर चुके हैं।

एससीओ के सदस्य देश बातचीत के जरिए मतभेदों को दूर कर विवादों को सहयोग के जरिए सुलझाएं: चीन

-चीन ने एससीओ देशों से आतंकवाद पर कार्रवाई का भी किया आह्वान

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों से बातचीत के जरिए अपने मतभेदों को दूर करने, आतंकवादी ताकतों से सख्ती से निपटने और सभी देशों की आर्थिक बेहतरी तथा सामाजिक स्थिरता के लिए संयुक्त रूप से एक मजबूत सुरक्षित माहौल बनाने का आह्वान किया है। वीडियो लिंक के माध्यम से बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित एससीओ सदस्य देशों के सुरक्षा परिषद सचिवों की बैठक में भाग लेने वाले चीनी स्टेट काउंसलर और लोक सुरक्षा मंत्री वांग शियाओहोंग ने कहा कि एक संतुलित, प्रभावी और टिकाऊ नए क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने की। एससीओ में चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। भारत इस वर्ष के लिए समूह की अध्यक्षता कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वांग ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि एससीओ के सदस्य देश बातचीत के जरिए अपने मतभेदों को दूर करें और विवादों को सहयोग के जरिए सुलझाएं। उन्होंने सदस्य देशों से आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की ताकतों को पूरी तरह से रोकने और निपटने के लिए कहा तथा दूरसंचार और इंटरनेट धोखाधड़ी, ऑनलाइन जुआ तथा मादक पदार्थों की तस्करी जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराध से निपटने के लिए सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया। वांग ने कहा कि एससीओ देशों को कानून प्रवर्तन और सुरक्षा के क्षेत्र में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करना चाहिए तथा संयुक्त रूप से सभी देशों के आर्थिक सुधार और सामाजिक स्थिरता के लिए एक मजबूत सुरक्षित माहौल तैयार करना चाहिए।

चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता एवं वरिष्ठ कर्नल तान केफेई ने बृहस्पतिवार को यहां ऑनलाइन प्रेस वार्ता में बताया कि मंत्रालय के एक कार्यकारी समूह ने हाल में एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रालयों के तहत अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग विभागों के बीच बैठकों में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था।

81 हिंदू लड़कियों का जबरन धर्म परिवर्तन कराया, मामला उजागर

इस्लामाबाद। (एजेंसी) । पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों के जबरन धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार साल 2022 में कम से कम 124 घटनाओं में अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों और महिलाओं को जबरन धर्मांतरण कराया गया, जिसमें 81 हिंदू, 42 ईसाई और एक सिख शामिल थीं। जानकारी के अनुसार एक ह्यूमन राइट्स ऑब्जर्वर 2023 फैक्ट शीट से पता चला है कि 23 प्रतिशत लड़कियां 14 साल से कम उम्र की थीं, उनमें से 36 प्रतिशत की उम्र 14 से 18 साल के बीच थी और पीड़ितों में से केवल 12 प्रतिशत वयस्क थीं, जबकि पीड़ितों में से 28 प्रतिशत की उम्र की रिपोर्ट नहीं की गई है। इसी तरह 2022 में सिंध में जबरन धर्म परिवर्तन के पैंसठ प्रतिशत मामले दर्ज किए गए, इसके बाद पंजाब में 33 प्रतिशत और खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में 0.8 प्रतिशत मामले दर्ज किए गए। एक पाकिस्तानी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, फैक्ट शीट से पता चला कि वर्ष 2022 के दौरान पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ धार्मिक कंटेंट काफी बढ़ गए और शिक्षा प्रणाली में कई सार्वकालिक और नई चुनौतियां सामने आईं। सेंटर फॉर सोशल जस्टिस (सीएसजी) की एक रिपोर्ट में धार्मिक अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले पांच प्रमुख मुद्दों को शामिल किया गया है, जिसमें शिक्षा प्रणाली में भेदभाव, जबरन धर्मांतरण, ईशनिंदा कानूनों का दुरुपयोग, अल्पसंख्यकों के लिए राष्ट्रीय आयोग की स्थापना और अल्पसंख्यक कैदियों के लिए जेल में छूट शामिल हैं। हालांकि ईशनिंदा कानूनों के तहत 171 लोगों को आरोपी बनाया गया था, जिनमें से 65 प्रतिशत मामले पंजाब में और 19 प्रतिशत सिंध में सामने आए। ईशनिंदा की सबसे ज्यादा घटनाएं कराची में देखी गई, इसके बाद चिनियोट, फैसलाबाद, गुजरांवाला, डेरा गाजी खान, ननकाना साहिब, लाहौर और शेखूपुरा का स्थान रहा। ईशनिंदा पीड़ितों की सबसे बड़ी संख्या (88) मुस्लिम थी, उसके बाद 75 अहमदी, चार ईसाई और दो हिंदू थे, जबकि दो आरोपियों की धार्मिक पहचान का पता नहीं चल सका।

इस्लामाबाद में पाक विदेश मंत्री की इफ्तार पार्टी में भारतीय राजनयिक हुए शामिल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद स्थित राजनयिक कोर के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी द्वारा आयोजित इफ्तार रात्रिभोज में एक भारतीय राजनयिक शामिल हुए। विदेश मंत्री बिलावल ने राजधानी में स्थित राजनयिकों के साथ भारतीय प्रभारी अधिकारियों को निमंत्रण दिया। सूत्रों ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि भारत ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया और उसके वरिष्ठ राजनयिक ने विदेश कार्यालय में रात्रिभोज में भाग लिया।

भारत और पाकिस्तान आमतौर पर इस तरह के समारोहों में एक-दूसरे को आमंत्रित करने से बचते हैं, लेकिन इफ्तार डिनर में एक भारतीय राजनयिक की उपस्थिति से संकेत मिलता है कि अगर पाकिस्तान रक्षा और विदेशी की आगामी भारत में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंत्री की बैठकों में भाग लेता है तो दोनों देशों के बीच उच्च स्तर पर बातचीत की संभावना हो सकती है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, राजनयिक कोर को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि वह यह स्वीकार करने के लिए तैयार थे कि पिछली सरकार द्वारा अपनाई गई आर्थिक नीतियों का सामूहिक रूप से जिक्र करते हुए, बहुत सारी कठिनाइयां 'हमारी' खुद की बनाई हुई थीं।

हम कुछ ऐसे निर्णयों के आर्थिक परिणामों का सामना कर रहे हैं जो हमारे नियंत्रण में नहीं हैं। लोग बाढ़ के रूप में एक जलवायु आपदा के विनाशकारी प्रभाव का सामना कर रहे हैं, जिसके घटित होने में उनकी बहुत कम या कोई भूमिका नहीं रही है। बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा, युवा पीढ़ी विशेष रूप से उन फैसलों के परिणामों का सामना कर रही है जो उन्होंने नहीं किए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण जो आर्थिक संकट पैदा हुआ है, उसका सामना केवल पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया कर रही है। बिलावल ने कहा, 'दुनिया में भू-राजनीतिक स्थिति ने दुनिया के सामने आने वाले परिणामों की बढ़ती सूची में इजाफा किया है।

बीजिंग नई दिल्ली को उकसावे वाले कुछ कदम उठाए : अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास व्हाइट हाउस के एक शीर्ष अधिकारी ने भारत के साथ निकटता से काम करने की अमेरिका की मंशा पर जोर देकर कहा कि बीजिंग ने भारत-चीन सीमा पर उकसावे वाले कुछ कदम उठाए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के उप सहायक एवं हिंद-प्रशांत मामलों के समन्वयक कर्ट कैंपबेल ने कहा, हमें उस भूमिका को समझने की जरूरत है जो भारत वैश्विक मंच पर एक महान राष्ट्र के रूप में निभाएगा। कैंपबेल ने कहा, '' हम इस प्रोत्साहित करना चाहते हैं, और इसका समर्थन करना चाहते हैं। हम उस रिश्ते को और गहरा करना चाहते हैं, जो पहले से ही बहुत मजबूत है। दोनों देशों के लोगों के आपसी संबंध अमेरिकी लोगों के वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के लोगों से संबंधों की तुलना में सबसे मजबूत हैं..रिपोर्ट में कहा कि भारत-चीन सीमा पर घुसपैठ तथा झड़पों की घटनाएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत एवं चीन के बीच सीमा को लेकर शत्रुता की बढ़ती आशंका का अमेरिका पर और इन दो एशियाई दिग्गजों के बीच उसकी हिंद-प्रशांत रणनीति पर असर पड़ता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अधिकारियों का मानना है कि चीन भारत को पाकिस्तान के साथ उसकी पश्चिमी सीमा तथा चीन के साथ पूर्वी सीमा पर उलझा कर चीनी महत्वाकांक्षाओं को चुनौती देने की भारत की इच्छा तथा क्षमता को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। कैंपबेल ने थिंक-टैंक से कहा, ''5,000 मील की इस विशाल सीमा पर चीन ने जो कुछ कदम उठाए हैं, वे भड़काने वाले तथा भारतीय भागीदारों व दोस्तों के लिए बेहद चिंताजनक है। इस रिपोर्ट में भारत के साथ लगती सीमा पर चीनी आक्रमण को रोकने और प्रतिक्रिया देने में मदद के लिए कई सुझाव दिए गए हैं।

चिली में मिला एवियन इन्फ्लुएंजा ए एच5एन1 बर्ड फ्लू से संक्रमित पहला व्यक्ति

– डब्ल्यूएचओ ने किया सभी देशों से सतर्कता बढ़ाने का आग्रह

टोकोपिला (एजेंसी)। दक्षिण अमेरिकी देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार उत्तरी चिली में एवियन इन्फ्लुएंजा ए एच5एन1 बर्ड फ्लू से संक्रमित पहला व्यक्ति मिला। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि तटीय शहर टोकोपिला में 53 वर्षीय एक व्यक्ति गंभीर निमोनिया से पीड़ित है, लेकिन स्थिर स्थिति में है। यह तुरंत पता नहीं चला कि वह कैसे संक्रमित हुआ। मंत्रालय के हवाले से कहा गया है कि इस बीमारी के प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य प्रोटोकॉल को सक्रिय किया गया था और संबंधित नमूने सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा विश्लेषण के लिए लिए गए थे, जिसने पुष्टि की कि यह एवियन इन्फ्लुएंजा है। इस संक्रमण के स्रोत और रोगी के संपर्कों की जांच की जा रही है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि कोई और प्रभावित तो नहीं हुआ है।

इक्वाडोर में जनवरी में 9 साल की एक बच्ची के मामले के बाद चिली में बर्ड फ्लू का यह पहला मानव मामला है और दक्षिण अमेरिका में दूसरा मामला है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन आखिरकार वह ठीक हो गई। यह एवियन इन्फ्लुएंजा दुनिया भर में फैल गया है। एच5एन1 वायरस के नवीनतम प्रकोप ने रिकॉर्ड संख्या में पक्षियों को मार डाला है और अन्य लोगों के अलावा ऊदबिलाव, समुद्री शेर, लोमड़ी, डॉल्फिन और सील में भी फैल गया है। माना जाता है कि चिली में 500 से अधिक समुद्री शेर एच5एन1 से मर गए थे। पड़ोसी पेरू में प्रकोप ने हजारों पक्षियों के अलावा लगभग 3 हजार 500 समुद्री शेरों को मार डाला है।

आज हम व अमेरिका जितने करीब हैं, इतिहास में उतने कभी नहीं रहे: ताइवानी राष्ट्रपति साइ इंगवेन

– अमेरिका में ताइवानी राष्ट्रपति के बयान से भड़का ड्रैगन

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। ताइवान की राष्ट्रपति साइ इंगवेन अमेरिका में चीन को चुभने वाली बातें कही हैं। वेन ने न्यूयॉर्क में ताइवानी अमेरिकी समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम और अमेरिका जितने करीब हैं, इतिहास में उतने कभी नहीं रहे। उनका यह बयान चीन को चिढ़ाने वाला माना जा रहा है, जो अमेरिका और ताइवान की सरकारों के बीच दौरों का विरोध करता रहा है। चीन का कहना है कि यह उसकी वन चाइना पॉलिसी के खिलाफ है। ताइवान से अमेरिका की दोस्ती का चीन हमेशा से विरोध करता रहा है और उसे अपनी संप्रभुता के खिलाफ बताता है।

साइ इंग-वेन ने बुधवार की रात को दिए अपने भाषण में अमेरिका को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हमारी सुरक्षा को मजबूत किया है और लगातार सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि यदि ताइवान सुरक्षित रहेगा तो दुनिया सेफ रहेगी। उन्होंने कहा कि ताइवान अपने लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर दुनिया को लोकतंत्र की दिशा में ले जाने का प्रयास करता रहेगा। हालांकि, इस बीच चीन समर्थक लोगों ने साइ इंग-वेन के कार्यक्रम के बाहर आंदोलन भी किया।

चीनी समर्थकों ने ताइवान के खिलाफ नारेबाजी की और चीन के झंडे लहराए। यही नहीं, ऐसे एक प्रदर्शनकारी को गिरफ्तारी भी कर लिया गया, जिसने एक तख्ती ले रखी थी। इस तख्ती में लिखा था कि ताइवान की राष्ट्रपति चीन की सबसे बड़ी गद्दार हैं। इस बीच चीन की सरकार ने भी ताइवान को चेतावनी दी है कि वह अमेरिका जाकर हमारे खिलाफ बातें न करे। चीनी सरकार ने कहा कि हम साइ इंग-वेन के दौरे पर नजर रख रहे हैं। अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए हम तत्पर हैं।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि हम अमेरिका और ताइवान के बीच किसी भी तरह की आधिकारिक मीटिंग का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपनी सुरक्षा और संप्रभुता को बचाए रखने के लिए पूरी नजर रखे हुए हैं। गौरतलब है कि चीन की ओर से ताइवान की राष्ट्रपति और अमेरिकी संसद के स्पीकर केविन मैककार्थी के बीच प्रस्तावित बैठक का विरोध किया गया है। हालांकि, अब तक अमेरिका या फिर ताइवान की ओर से इस मीटिंग के बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ कहा नहीं गया है।

आईपीएल : पंजाब किंग्स और केकेआर में होगी कड़ी टक्कर

मोहाली (एजेंसी)। आईपीएल के 16 वें सत्र में शनिवार को पहला मुकाबला शिखर धवन की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स और नितीश राणा की कप्तानी वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच दोपहर में खेला जाएगा। इन दोनो ही टीमें की हालत एक सी है और से खिलाड़ियों की खराब फिटनेस के साथ ही कुछ विदेशी खिलाड़ियों के उपलब्ध नहीं होन से मुश्किल में हैं। इसके बाद भी इन दोनो टीमों का लक्ष्य जीत से शुरुआत कर मनोबल बढ़ाना रहेगा। पंजाब किंग्स के कप्तान धवन पिछले काफी समय से टीम इंडिया से बाहर है और उनकी नजरें आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करन रहेगा। वहीं श्रेयर अय्यर के चोटिल होने के कारण केकेआर के कप्तान बने राणा की नजरें आईपीएल में बेहतर प्रदर्शनकर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना रहेगा। आईपीएल में इन दोनों टीमों के पास हमेशा अच्छे खिलाड़ी रहे है पर मैदान पर उनका प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा है। इसलिए लिए टीम खिताबी दौड़ में पिछड़ जाती है।

पंजाब किंग्स ने अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीता है जबकि केकेआर की टीम ने गौतम गंभीर की कप्तानी में दो बार ट्रॉफी अपने नाम की थी। पिछले सत्र में पंजाब छठे और केकेआर सातवें पायदान पर थी। इस सत्र में दोनों टीमों की कमान नये कप्तानों के पास है।

केकेआर के मुकाबले पंजाब की टीम थोड़ी अधिक अच्छी नजर आ रही है उसे घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। टीम को हालांकि इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी जॉनी बेयरस्टो की कमी खलेगी। बेयरस्टो चोटिल होने के कारण पूरे सत्र से ही बाहर हो गये है। फ्रेंचाइजी ने बेयरस्टो की जगह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैथ्यू शॉर्ट को टीम में शामिल किया है। शॉर्ट के धवन के साथ पारी शुरु करने की संभावना है। वहीं तेज गेंदबाज

लियाम लिविंगस्टोन और कागिसो रबादा भी शुरुआती कुछ मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे जिससे पंजाब को नुकसान होगा। टीम की सबसे बड़ी ताकत ऑलराउंडर सैम कुरेन रहेंगे। कुरेन को उसने 18 करोड़ 50 लाख रुपए में खरीदा है। वह गेंद और बल्ले से प्रभावी प्रदर्शन करने के लिए जाने जाते है। टीम के पास जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा भी हैं। रजा अच्छे बल्लेबाज होने के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी हैं।

तेज गेंदबाजी की बात करें तो उसके पास बांए हाथ के अर्शदीप सिंह हैं। टीम को ऋषि धवन और लेग स्पिनर राहुल चहर से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान राणा पर आधारित रहेगी। शुरुआती मैच में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और लिटन दास नहीं खेलेंगे। ऐसे में केकेआर का प्रदर्शन काफी हद तक आंद्रे रसेल और सुनील नारायण की वेस्टइंडीज की जोड़ी पर निर्भर करेगा। टीम के पास डेविड वाइसी और वेंकटेश अय्यर के रूप में पास अन्य स्तरीय ऑलराउंडर हैं। टीम की मजबूत गेंदबाजी इकाई उसकी ताकत रहेगी। उसके पास तेज गेंदबाज उमेश यादव के अलावा शारदुल ठाकुर और टिम साउथी हैं। स्पिनर के तौर पर शाकिब, नारायण और वरुण चक्रवर्ती स्पिन विभाग में जिम्मेदारी संभालेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राज बावा, राहुल चाहर, सैम कुरेन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, हरप्रीत बराड़, हरप्रीत सिंह, वी. कावेरप्पा, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा, शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा, अथर्व तायडे

कोलकाता नाइट राइडर्स : नितीश राणा (कप्तान), वैभव अरोड़ा, लॉकी फर्ग्यूसन, हर्षित राणा, वेंकटेश अय्यर, एन जगदीसन, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास, मनदीप सिंह, सुनील नारायण, रहमानुल्लाह गुरबाज, अनुकूल रॉय, आंद्रे रसेल, शाकिब अल हसन, रिंकू सिंह, टिम साउथी, सुयश शर्मा, शार्दुल ठाकुर, वरुण चक्रवर्ती, डेविड वाइसी, उमेश यादव

मियामी ओपन : अलकाराज और मेदवेदेव पुरुष एकल से सेमीफाइनल में पहुंचे

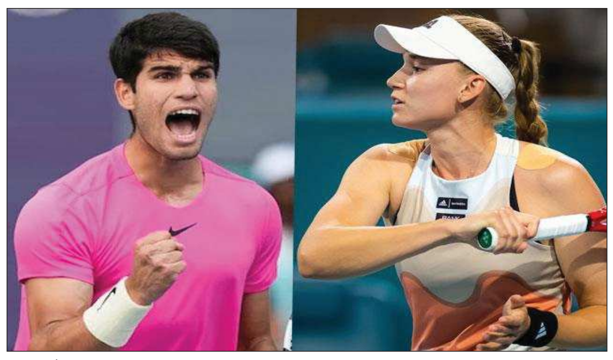

मैड्रिड (अल्बानिया) (एजेंसी)। मियामी गार्डन्स = शीर्ष रैंकिंग के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अलकाराज ने मियामी ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को आसानी से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह पक्की की।

स्पेन के इस खिलाड़ी ने एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 10वीं रैंकिंग पर काबिज फ्रिट्ज को 6-4 6-2 से मात दी। यह इस साल 19 मैचों में उनकी 18वीं जीत है। सेमीफाइनल में अलकाराज के सामने यानिक सिन्नर की चुनौती होगी।

पुरुषों के एक अन्य क्वार्टर फाइनल डेनियल मेदवेदेव अमेरिका के क्वालीफायर क्रिस यूबैंक्स को 6-3 7-5 से हराया। मेदवेदेव के सामने सेमीफाइनल में हमवतन कारेन खाचानोव की चुनौती होगी। खाचानोव ने फ्रांसिस्को सेरुंडोलो 6-3 6-2 से पराजित किया।

महिला वर्ग में एलिना रायबकिना ने सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को बारिश से प्रभावित मैच में 7-6(3) 6-4 से शिकस्त दी। फाइनल में उनके सामने 15वीं वरीयता प्राप्त पेत्रा क्वितोवा और गैरवरीय सोराना क्रिस्टी के बीच खेले जाने वाले सेमीफाइनल मुकाबले की विजेता की चुनौती होगी।

विराट ने रिचर्ड्स और तेंदुलकर को सर्वकालिक महान क्रिकेटर बताया

नई दिल्ली। आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने आपीएल के 16 वें सत्र की शुरुआत के अवसर पर वेस्टइंडीज के विवियन रिचर्ड्स और भारत के सचिन तेंदुलकर को सर्वकालिक महान क्रिकेटर बताया है। विराट के अनुसार इन दोनो ही ने अपने खेले से क्रिकेट को पूरी तरह से बदल दिया। आरसीबी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में कोहली ने अपने सर्वकालिक खिलाड़ियों का नाम लेते हुए कहा, मैंने हमेशा दो नाम लिए हैं, तेंदुलकर और रिचर्ड्स। सचिन तो मेरे हीरो हैं। इन दोनों ने अपनी पीढ़ी में बल्लेबाजी में क्रांति लाकर क्रिकेट को पूरी तरह से बदल दिया था। ऐसे में मेरा मानना हा कि ये दोनो ही सबसे महान खिलाड़ी हैं।

आईपीएल के अपने पहले मैच में जीत के इरादे से उतरेगी सुपर जायंटस और कैपिटल्स

लखनऊ (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वें सत्र में शनिवार को होने वाले दूसरे मैच में लोकेश राहुल की लखनऊ सुपर जायंटस का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत से अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत करने उतरेंगी। लखनऊ की कप्तान जहां लोकेश राहुल के पास है। वहीं दिल्ली की कमान ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर संभाल रहे हैं। दोनो ही विरोध बल्लेबाज अनुभवी हैं पर पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। ऐसे में इन दोनो पर ही अच्छे प्रदर्शन का दबावा होगा। राहुल को हाल ही में भारतीय टीम में उपकप्तान पद से भी हटा दिया गया था। पिछले काफी समय से वह बड़ी पारी भी नहीं खेल पाये हैं। ऐसे में उनके लिए टीम में अपनी जगह बनोय रखना भी कठिन हो रहा है। ऐसे में अब वह आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर अपने नेतृत्व कौशल और बल्लेबाजी को साबित करना चाहेंगे।

लखनऊ की टीम पहली बार अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी जिसका भी उसे लाभ होगा। राहुल की कप्तानी में टीम पिछले साल अपने पहले ही सत्र में प्लेऑफ में पहुंची थी हालांकि तब राहुल अच्छे फार्म में थे और उन्होंने जमकर रन बनाये थे पर इसबार हालात अलग हैं और ऐसे में राहुल को रन बनाकर अपने बल्ले से जवाब देना होगा। वहीं दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने नियमित कप्तान ऋषभ पंत के बिना खेल रही है। ऐसे में नये कप्तान वार्नर पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। टीम के पास कप्तान के तौर पर वार्नर जैसा आक्रामक सलामी बल्लेबाज है पर उनका बल्ला पिछले कुछ समय से खामोश है। अब वार्नर सनराइजर्स हैदराबाद की तरह ही दिल्ली को भी खिताब दिलाना चाहेंगे। वार्नर की कप्तानी में ही सनराइजर्स ने एकबार खिताब जीता था।

दिल्ली के पास मिशेल मार्श जैसा बल्लेबाज है। मार्श ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में आक्रामक बल्लेबाजी की थी। वार्नर और सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ अगर टीम को तेज शुरुआत देने में विफल रहते है तो मार्श दो-तीन ओवरों में यह कमी पूरी कर सकत हैं। वहीं बल्लेबाज सरफराज खान को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। टीम को युवा यश ढुल से अधिक अपेक्षा नहीं रखनी चाहिये। ऐसे में टीम को आखिरी ओवरों में अक्षर पटेल से अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। टीम के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया और मुस्तफिजुर रहमान राष्ट्रीय टीम को सेवाएं देने के कारण इस मुकाबले में नहीं रहेंगे। दिल्ली के तेज गेंदबाजी विभाग में खलील अहमद और इशांत शर्मा जैसे गेंदबाज हैं। स्पिन की जिम्मेदारी अक्षर और कुलदीप यादव पर रहेगी। वहीं लखनऊ की बात करें तो राहुल के साथ पारी की शुरुआत को शुरुआती काइल मायर्स या दीपक हुड्डा कर सकते हैं। टीम को इस मैच में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की कमी खलेगी। डिकॉक राष्ट्रीय टीम को सेवाएं देने के कारण देर से भारत आयेंगे। टीम की तेज गेंदबाजी भी खास नहीं है। मोहसिन खान चोट के कारण शुरुआती मैचों के लिए बाहर हैं। मार्क वुड भी अकसर चोटिल होते रहते है ऐसे में आवेश खान और जयदेव उनादकट पर ही पूरी जिम्मेदारी होगी। टीम के पास हुड्डा के अलावा क्रुणाल पांड्या, कृष्णप्पा गौतम, प्रेरक मांकड़ के अलावा मार्कस स्टोइनिस, डेनियल सैम्स, मायर्स और रोमारियो शेफर्ड जैसे अच्छे ऑलराउंडर हैं। स्पिन की जिम्मेदारी रवि बिश्नोई और अमित मिश्रा पर रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स: डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी शॉ , मिशेल मार्श, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, सरफराज खान , फिल साल्ट , अभिषेक पोरेल , अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ललित यादव, रिपल पटेल , इशांत शर्मा, चेतन सकारिया, खलील अहमद, अमन हकीम खान, प्रवीण दुबे, कमलेश नागरकोटी, यश ढुल, मुकेश कुमार, विक्की ओस्तवाल।

लखनऊ सुपर जायंटस: लोकेश राहुल (कप्तान), काइल मायर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पांड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन, नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड , स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

रोड्स ने जडेजा को सर्वश्रेष्ठ फील्डर बताया

जोहांसबर्ग । दक्षिण-अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स को विश्व का सर्वश्रेष्ठ फील्डर माना जाता है। रोड्स के संन्यास लेने के बाद कोई भी उनके स्तर का फील्डर नहीं हुआ है। रोड्स के बाद विश्व क्रिकेट में कई अच्छे फील्डर हुए हैं पर इनमें से सबसे श्रेष्ठ कौन है। इसको लेकर संशय बना हआ था। वहीं अब रोड्स ने अपने बयान से स्थिति स्पष्ट कर दी है। रोड्स के अनुसार जडेजा अभी सर्वश्रेष्ठ फील्डर हैं। इस पूर्व क्रिकेटर से जब पूछा गया कि वह विश्व क्रिकेट में किसे सर्वश्रेष्ठ फील्डर मानते हैं तो उन्होंने कहा, अभी केवल एक ही है, जडेजा। रोड्स ने यह भी कहा कि आईपीएल के बाद से ही लोगों ने फील्डिंग को गंभीरता से लेना शुरु किया है। साल 2008 में शुरुआत के बाद से ही अब तक हुए मुकाबलों में फील्डिंग का स्तर लगातार ऊपर आता रहा है। खिलाड़ियों ने बाउंड्री लाइन कैच से लेकर सर्कल के अंदर कुछ शानदार कैच लिए हैं। इस दौरान दर्शकों कों कई शानदार कैच देखने को मिले हैं। रोड्स ने कहा, आईपीएल शुरू होने के बाद ही लोगों ने वास्तव में फील्डिंग पर ध्यान देना शुरू किया। इससे पहले हर टीम के पास फील्डिंग कोच नहीं थे क्योंकि 50 ओवर के मैचों में पर्याप्त समय रहता था। आपके पास 3-4 अच्छे फील्डर थे जिनसे काम हो जाता था। आईपीएल शुरू होने के बाद फील्डिंग में निरंतर बेहतर काम हुआ है।

गुजरात टाइटंस को जीत दिलाना रहेगा लक्ष्य : मावी

नई दिल्ली । गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजी ने कहा है कि उनका लक्ष्य इस सत्र में अपनी टीम को जीत दिलाने में सहायत करना है। मावी को गुजरात टाइटंस ने छह करोड़ में खरीदा है। इस खिलाड़ी ने कहा कि जब इस सत्र में नीलामी बीच में रुक गयी थी तब वह हैरान हो गये थे। उस समय मावी पर 1.10 करोड़ रुपए की बोली लगी थी। मावी ने नीलामी के लिए 40 लाख रुपये के आधार मूल्य पर अपने को रजिस्टर करवाया था। टाइटन्स द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में इस तेज गेंदबाज ने कहा, पिछले साल की तरह हम यहां जीते थे। अब जब मैं उनके साथ जुड़ गया हूं, तो मैं फिर से चैंपियन बनने में सहायता करना चाहता हूं। नीलामी के दौरान मैं उत्तर प्रदेश की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेल रहा था। इस दौरान मेरी नीलामी 1.10 करोड़ पर रुकी और तब मैं सोच रहा था कि यह इतनी जल्दी क्यों रुक गई। इस युवा खिलाड़ी ने कहा, मैं गुजरात टाइटन्स द्वारा चुना जाना चाहता था क्योंकि मैं उनके साथ खेलने के लिए उत्साहित था। मैंने सुना था कि यहां का प्रबंधन और कप्तान बहुत अच्छे हैं। मैं उन सभी से पहले मिल चुका हूं। टीम का स्वभाव और माहौल वास्तव में अच्छा है, इसलिए मैं जीटी द्वारा चुना जाना चाहता था। 2018 में आईपीएल की शुरुआत करने के बाद से मावी 2023 की नीलामी से पहले रिलीज होने से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम का हिस्सा थे। उन्होंने अब तक 32 आईपीएल मैच खेले हैं और 30 विकेट लिए हैं।

आईपीएल में असफल हुए तो राहुल का करियर खतरे में पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। इसका कारण यह है कि राहुल पिछले काफी समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नाकाम रहे हैं। इसी कारण टीम में उनकी जगह भी खतरे में पड़ गयी है। इसके साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सालाना अनुबंध में उन्हें डिमोट करते हुए ए से बी ग्रेड में कर दिया है। इन हालातों में अब अगर वह आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो उन्हें टीम में जगह भी नहीं मिल पायेगी। इसके साथ ही आगामी विश्वकप के लिए भी उनकी संभावनाएं कम होंगी। राहुल के लिए साल 2023 अब तक अच्छा नहीं रहा है। साल 2022 में उन्हें टीम इंडिया के भविष्य के कप्तान के तौर पर देखा जा रहा था पर इस साल उन्हें हाथ से उपकप्तानी भी निकल गयी।

ऐसे में सवाल ये है कि क्या राहुल बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को प्रेरित करते हुए आईपीएल ट्रॉफी जिताने में कामयाब हो पाएंगे? राहुल की अक्सर आलोचना इस बात को लेकर होती है कि उनके रन आईपीएल में उनके लिए ज्यादा काम आते हैं बजाए उनकी टीम के। पंजाब की टीम में रहते हुए उन्होंने जमकर रन बनाये थे पर टीम को उसका लाभ नहीं मिला था। लखनऊ एक नई टीम है और पिछले सत्र में शुरुआत में बेहतरीन खेल दिखाने के बावजूद फाइनल तक नहीं पहुंच पायी थी। ऐसे में राहुल के लिए जरूरी होगा कि वो ना सिर्फ अपने बल्ले से रन बनाएं, बल्कि बेहतर स्ट्राइक रेट से रन बनाए, जिसके लिए वो अक्सर आलोचकों का शिकार बनते हैं। इसके बाद अगर उनकी टीम फाइनल में पहुंचती है या फिर ट्रॉफी जीतती है तब उनके लिए भारतीय टीम में जगह बनाना आसान होगा।

वनडे विश्व कप के मैच बांग्लादेश में खेले जाने के बारे में अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई: पीसीबी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि उसके अध्यक्ष नजम सेठी ने आईसीसी बोर्ड की बैठक में कभी यह विचार नहीं रखा कि उनकी पुरुष टीम भारत के बजाय बांग्लादेश में अपने विश्व कप मैच खेलने की इच्छुक है। 'पीटीआई-भाषा' ने 29 मार्च को ही खबर दी थी कि आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने इस बात से इनकार कर दिया था कि उसके मंच पर कभी इस तरह की कोई भी चर्चा हुई थी। आईसीसी ने कहा था कि बांग्लादेश किसी भी विश्व कप मैच की मेजबानी के लिए भी दावेदार नहीं है, क्योंकि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने आश्वासन दिया था कि पाकिस्तान टीम के लिए वीजा की समस्या नहीं होगी। पीसीबी ने स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट के 'हाइब्रिड मॉडल' की अवधारणा सिर्फ एशिया कप से संबंधित थी, क्योंकि भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी।

सेठी ने गुरुवार को रावलपिंडी/इस्लामाबाद में मीडिया से की गयी बातचीत का जिक्र करते कहा कि उन्होंने एशिया कप के लिए एसीसी (एशियाई क्रिकेट परिषद) के अधिकारियों के समक्ष पेश किए गए 'हाईब्रिड मॉडल' के बारे में मीडिया को जानकारी दी थी ताकि बीसीसीआई के टीम को पाकिस्तान नहीं भेजने के फैसले के बाद हुए गतिरोध को खत्म किया जा सके। पीसीबी के बयान के मुताबिक, ''भारत के मैच तटस्थ स्थान पर और बाकी पाकिस्तान में खेलने का प्रस्ताव एसीसी में चर्चा के अधीन है।'' सेठी ने कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने उनकी बात को गलत तरीके से पेश किया।

उन्होंने इस विज्ञप्ति में कहा, ''गुरुवार की मीडिया बातचीत के दौरान किसी भी स्तर पर मैंने आईसीसी या पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 पर कोई टिप्पणी नहीं की, जो अक्टूबर में निर्धारित है। इस मामले पर अब तक किसी भी आईसीसी मंच पर चर्चा नहीं की गई है।' 'पीटीआई-भाषा' ने बुधवार को आईसीसी के सूत्रों से बात की थी जिन्होंने उल्लेख किया था कि इस मामले को न तो उठाया गया था और न ही अनौपचारिक रूप से चर्चा की गई थी और यह 'सिर्फ कल्पना' है। पीसीबी ने मीडिया विज्ञप्ति के जरिए अपने एक स्थानीय अंग्रेजी समाचार पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ''पीसीबी इस बात से निराश है कि अंग्रेजी भाषा के एक प्रमुख अखबार ने सेठी की टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया, गलत व्याख्या की और यह धारणा दी कि पीसीबी के 'हाइब्रिड मॉडल' को आईसीसी में पेश किया गया और उस पर चर्चा की गई, जो कि तथ्यात्मक रूप से गलत है।'

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए घोषित किया कोर समूह

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने बेंगलुरू में शनिवार से भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में शुरू हो रहे राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए 39 सदस्यीय पुरुष हॉकी के कोर समूह की घोषणा कर दी है। राष्ट्रीय टीम का चयन कोर समूह में से ही होता है। यह प्रशिक्षण शिविर शिविर 21 मई तक चलेगा। कोर टीम अंतरिम कोच डेविड जॉन, बीजे करियप्पा और शिवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में काम करेगी। इस कोर समूह में से ही एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए टीम को चयन होगा। इसके बाद टीम यूरोप दौरे पर जाएगी। इसमें टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-2023 सत्र के शेष मैचों में बेल्जियम, ग्रेट ब्रिटेन, नीदरलैंड और अर्जेंटीना से खेलना होगा। राउरकेला में हाल ही में विश्व चैंपियन जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली जीत से भारतीय टीम अभी एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-23 सत्र में शीर्ष पर है। कोर समूह में कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, पवन मलिक, प्रशांत कुमार, जरमनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप जेस, संजय, यशदीप सिवाच और दिप्सन तिर्की के अलावा मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरंगथम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मो. राहील मौसीन, मनिंदर सिंह, एस कार्थी, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मंजीत, पवन राजभर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

एएफसी अंडर-17 एशियाई कप फुटबॉल के लिए ड्रॉ निकाला गया

-भारत को जापान, वियतनाम के साथ रखा गया

नई दिल्ली । 15 जून से दो जुलाई तक थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-17 एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को ग्रुप डी में जापान, वियतनाम और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। एएफसी अंडर-17 एशियाई कप का आयोजन बैंकॉक में चार अलग-अलग स्टेडियमों में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ समारोह का आयोजन बैंकॉक में किया गया है। इस टूर्नामेंट के प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी। वहीं सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमों को पेरू में होने वाले 2023 फीफा अंडर-17 विश्व कप में प्रवेश मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस ने कहा, ''ड्रॉ में हमें जिस ग्रुप में रखा गया है उसे लेकर हम सभी उत्साहित हैं। हमें इस टूर्नामेंट को लेकर सभी खिलाड़ी उत्साहित हैं। हर फुटबॉलर हर स्तर पर सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ खेलना चाहता है और जापान निश्चित तौर पर अभी एशिया की सबसे अच्छी टीमों में से एक है।'' उन्होंने कहा, ''हमने पहले भी वियतनाम और उज्बेकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ खेला है। हमें उन मुकाबलों में अच्छे परिणाम मिले थे जिससे हमें इस टूर्नामेंट में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। हमारा लक्ष्य फीफा अंडर-17 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय टीम बनना है।''

महिला ग्रां प्री: टूर्नामेंट से हटीं ग्रैंडमास्टर अब्दुमालिक, उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे आयोजक

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसी टूर्नामेंट को सफल बनाना आयोजकों की जिम्मेदारी रहती है, लेकिन मेहमान खिलाड़ी जब प्रबंधन द्वारा की गई तैयारियों से खुश ना दिखें तो टूर्नामेंट विवादित रूप ले लेता है। दिल्ली में फिडे महिला ग्रां प्री का तीसरा चरण भारत में पहली बार ग्रां प्री आयोजित किया जा रहा है। लेकिन यह विवादित रहा। कजाकिस्तान की एक ग्रैंडमास्टर झांसाया अब्दुमालिक द्वारा आयोजकों पर खराब व्यवहार का आरोप लगाया गया, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। टूर्नामेंट में 12 खिलाड़ी शामिल थे, लेकिन अब 10 प्रतिभागी हैं, जो 5 अप्रैल तक चलेगा।

होटल के स्थान से नाखुश खिलाड़ी

कजाकिस्तान की पहली महिला ग्रैंडमास्टर बनने वाली 23 वर्षीय अब्दुमालिक ने कहा कि वह पीछे हट गई क्योंकि स्थानीय आयोजकों ने इस आयोजन के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। उनकी मुख्य शिकायत यह थी कि अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने उन्हें दिल्ली हवाईअड्डे पर रिसीव करने और कड़कड़डूमा के लीला एंबियंस होटल में उनके आने-जाने की व्यवस्था करने के लिए किसी को नहीं भेजा, जहां सभी खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के लिए रखा गया है। उसने आयोजकों पर यह भी आरोप लगाया है क कि वह होटल के स्थान से नाखुश थी और उसके कमरे में कूड़ा भी पड़ा था।

गलतियां छुपाते नजर आए निदेशक

वहीं महिला ग्रां प्री के टूर्नामेंट निदेशक भरत सिंह चौहान प्रबंधन की गलतियों को छुपाते दिखे। भरत ने कहा, 'उसकी उड़ान उम्मीद से थोड़ी पहले उतरी। जो लोग उन्हें रिसीव करने आए थे, वे एयरपोर्ट पर उनसे नहीं मिल सके। उन्हें हुई किसी भी असुविधा के लिए हमने माफी मांगी है। उसने यह भी शिकायत की कि होटल शहर के बाहरी इलाके में है। लेकिन यह एक पांच सितारा होटल है। विश्व चैंपियनशिप के लिए आए सभी मुक्केबाज वहीं ठहरे हुए थे। मैं इसमें आगे कुछ नहीं कहना चाहता क्योंकि टूर्नामेंट शुरू हो चुका है।'

दुनिया में 13वें स्थान पर काबिज अब्दुमालिक ने आगे आरोप लगाया कि खिलाड़ियों को हवाईअड्डे से होटल तक आधिकारिक परिवहन उपलब्ध नहीं कराया गया। जब वे आखिरकार होटल पहुंचे, तो उन्हें बताया गया कि कमरे तैयार नहीं हैं। भरत चौहान ने अब्दुमालिक के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा, 'टूर्नामेंट के लिए मेरु कैब्स के साथ हमारा अनुबंध है। अन्य खिलाड़ियों को कैब में होटल ले जाया गया। और जहां तक कमरों का संबंध है, प्रत्येक होटल में चेक-इन का समय होता है। हो सकता है कि कोई खिलाड़ी जल्दी आ गया हो और कमरा तैयार होने के लिए कुछ देर इंतजार करना पड़ा हो।'

रविवार को, जब टूर्नामेंट का पहला दौर आयोजित किया गया था, अब्दुमालिक के निराश होने से पैदा हुए असंतुलन के कारण एलिज़ाबेथ पैहत्ज भी भारत की आर वैशाली के खिलाफ अपने खेल के लिए नहीं आई थी। पैहत्ज ने चेसबेस इंडिया से कहा, 'मैं यह स्वीकार नहीं कर सकती कि हर खिलाड़ी एक जैसी शर्तों के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत नहीं करती है। एकल खिलाड़ी के अल्टीमेटम के कारण रंगों के उचित वितरण के साथ नई जोड़ियों का इच्छित समाधान विफल हो गया। भले ही मुझे 6 गोरे और 4 अश्वेत मिलेंगे, यह अन्य खिलाड़ियों के लिए अनुचित है। मैं सभी के लिए एक निष्पक्ष और समान टूर्नामेंट चाहती थी।'

फिडे के अध्यक्ष ने मांगी माफी

कुछ प्रतिभागियों द्वारा फिडे को घटना के बारे में अपनी चिंताएं व्यक्त करने के बाद, अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष अरकडी ड्वोर्कोविच ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की ओर से, मैं महिला ग्रैंड प्रिक्स के गलत संचालन के लिए माफी मांगता हूं। । आपके द्वारा अनुभव की गई समस्याओं और असुविधाओं के लिए हमें गहरा खेद है, जिसके कारण एक खिलाड़ी टूर्नामेंट से हट गया। सभी तर्कों को ध्यान में रखते हुए, हमने भारत में महिला ग्रां प्री टूर्नामेंट को जारी रखने का फैसला किया है। हम महिलाओं के टूर्नामेंट के आयोजन के लिए दिशानिर्देशों और मानकों की पूरी तरह से समीक्षा करेंगे और खिलाड़ियों के साथ संबंध मजबूत करना सुनिश्चित करेंगे, साथ ही साथ इवेंट-आयोजन टीम की दक्षता में और सुधार करेंगे।'

रोहित अपने फैसले स्वयं लेते थे : कुंबले

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने कहा है कि जब साल 2013 के सत्र में वह मुंबई इंडियंस के मेंटर बने थे। तब रोहित शर्मा को टीम का कप्तान बनाया गया था। कुंबले के अनुसार रोहित अपने फैसले स्वयं लेते थे ओर जो भी कहना होता बिना डरे कह देते थे। कुंबले के अनुसार वह अनुभवी खिलाड़ियों की सुनते जरूर थे पर जो सही लगता वही करते थे। कुंबले ने कहा, वह कहने से नहीं डरते थे कि उन्हें क्या कहना था। उनके पास बहुत अनुभव था और वह उनके पास भी पहुंचे, लेकिन फिर अपने फैसले स्वयं लिए। एक कप्तान से आप यही चाहते हैं। कुंबले ने 2017 में रोहित के नई टीम की कप्तानी करने के बारे में कहा कि तब एक नई टीम थी और कम स्कोर का बचाव करने के मामले में हमने उसे जिस तरह की कप्तानी करते देखा। उसी से नेतृत्व क्षमता सामने आयी। कुंबले ने यह भी कहा कि रोहित को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहते हैं।

बीपीएल राशन कार्डधारियों को आज से किया जाएगा फोर्टिफाइड चांवल का वितरण

० महिलाओं एवं बच्चों में कुपोषण एवं एनीमिया को दूर करने के लिए फोर्टिफाईड चांवल अत्यंत उपयोगी

बालोद,(आरएनएस)। खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रचलित बीपीएल श्रेणी के राशन कार्डधारियों ०१ अप्रैल से फोर्टिफाईड चांवल का वितरण किया जाएगा। जिला खाद्य अधिकारी श्री तुलसी ठाकुर ने बताया कि इसके अंतर्गत ऐसे कार्डधारी जो बीपीएल श्रेणी में आते है, वे पोषण युक्त फोर्टिफाईड चांवल अपने समीप के शासकीय उचित मूल्य के दुकान से प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बताया कि जिले में कुल ४६९ शासकीय उचित मूल्य की दुकाने संचालित है। जहां ०१ लाख ८४ हजार ९६८ बीपीएल श्रेणी के राशन कार्ड प्रचलित है। जिले के बालोद विकासखण्ड में २८,२०१ गुरूर विकासखण्ड में ३०,२९७ , गुण्डरदेही विकासखण्ड में ५०,३३७, डौण्डीलोहारा विकासखण्ड में ४२,७७२ एवं डौण्डी विकासखण्ड में ३३,३६१ राशन कार्डधारी फोर्टिफाईड चांवल से लाभान्वित होंगे। उल्लेखनीय है कि महिला एवं बच्चों में कुपोषण एवं एनीमिया को दूर करने हेतु पोषण युक्त फोर्टिफाईड चांवल बहुत ही उपयोगी है। फोर्टिफाईड चांवल को सामान्य चांवल आटे के साथ आयरन, विटामीन, बी-१२ एवं फोलिक एसीड निर्धारित मात्रा में मिलाकर बनाया जाता है। इस फोर्टिफाईड चांवल को सामान्य चांवल में ०१ प्रतिशत वितरण कर उपयोग हेतु वितरण की जा रही है। छत्तीसगढ़ में ६५ प्रतिशत आबादी का भोजन चांवल है। चांवल में ऊर्जा व पोषक तत्वों का मिश्रण है। जिसे फोर्टिफाईड चांवल को मिलाकर उपयोग किए जाने से कुपोषण एवं एनीमिया को दूर भगाने हेतु बहुत ही कारगर साबित हो रहा है।

श्री ठाकुर ने हितग्राहियों को फोर्टिफाईड चांवल को प्लास्टिक चांवल कहने के संबंध में किसी भी प्रकार की अफवाह में नहीं आने को कहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व में राज्य के १२ जिलों में फोर्टिफाईड चांवल प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ किया गया था। अब इसे ०१ अप्रैल से राज्य के सभी ३३ जिलों में प्रारंभ की जा रही है। अप्रैल माह में एपीएल कार्डधारी को छोड़कर अन्य राशन कार्डधारी हितग्राही अपने निकट के शासकीय उचित मूल्य के दुकानों से अप्रैल एवं मई दो माह का एक मुश्त चांवल प्राप्त कर सकते है। इसके अलावा अन्य राशन सामग्री शक्कर, नमक एवं केरोसीन पूर्व माह की भांति प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत ३९ जोड़े बंधे प्रणय सूत्र में

बालोद, (आरएनएस)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेडिय़ा ने आज गुंडरदेही विकासखंड के ग्राम कचांदुर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामुहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम में शामिल हुई। इस अवसर पर संसदीय सचिव व गुंडरदेही विधायक श्री कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनादेवी देशलहरा मौजूद थी। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत में छत्तीसगढ़ महतारी और मां सरस्वती की छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित की गई। इस दौरान मंत्री श्रीमती भेंडिया ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत ३९ नवविवाहित जोड़ों को उपहार व आशीर्वाद देकर नवदाम्पत्य जीवन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मंत्री श्रीमती भेंडिया ने अपने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा की मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप राज्य में कन्याओं के विवाह को बेहतर ढंग से सम्पादित करने यह योजना संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री द्वारा इस योजना के तहत प्रावधानित राशि को १५ हजार से बढ़ाकर २५ हजार किया गया। जिसे आगामी वित्तीय वर्ष में ५० हजार रुपये किये जाने का निर्णय भी मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने लिया है। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से अब गरीब माता पिता की चिंता कम हुई है, साथ ही उन्हें अतिरिक्त खर्च से निजात भी मिला है। कार्यक्रम को संसदीय सचिव श्री

कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनादेवी देशलहरा ने भी सम्बोधित करते हुए नवविवाहित जोड़ों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती चंद्रप्रभा सुधाकर, जनपद पंचायत गुंडरदेही की अध्यक्ष, एसडीएम श्रीमती रश्मि वर्मा सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, कर्मचारी व बड़ी संख्या में वर-वधु के परिजन व ग्रामीण मौजूद थे।

विस् अध्यक्ष डॉ महंत ने पिता स्व. बिसाहू दास महंत की जयंती पर स्मरण कर दी श्रद्धांजलि

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने पिता स्व.बिसाहू दास महंत जी की जयंती के अवसर पर स्मरण कर विनम्र श्रद्धांजलि की अर्पित। डॉ महंत ने कहा कि, पिता स्व. श्री बिसाहू दास महंत जी के आशीर्वाद और मार्गदर्शन के चलते समाज सेवा, जनसेवा के कार्य करने का हरसंभव प्रयास करता हूँ, और नाम के अनुरूप चरणों का दास बने रहने के कार्य करता हूँ। बता दें.. बिसाहू दास महंत मध्य प्रदेश के लिए एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे। वे मध्यप्रदेश की प्रथम कैबिनेट के मंत्री रहे हैं, वह राज्य में कांग्रेस द्वारा निर्मित सबसे सफल विधायक थे, और उन्होंने बाराद्वार का प्रतिनिधित्व किया, कोषा को व्यापार और राष्ट्रीय पटल के साथ साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान दिलाने का कार्य किया। स्व. महंत जीवनभर जनसेवा से जुड़े रहे। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के साथ ही उनकी छवि एक सफल राजनेता की रही है। वे अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक तथा मंत्री के रूप में प्रदेश के विकास के लिए समर्पित रहे। उन्होंने क्षेत्र में खेती-किसानी, सिंचाई तथा सड़कों के निर्माण से लोगों की बेहतरी के लिए काम

किया। जिसे आज कांग्रेस भूपेश सरकार राज्य के श्रेष्ठ बुनकरों को हर साल पुरस्कृत करती है। यह सम्मान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. बिसाहू दास महंत की स्मृति में दिया जाता है।

आरईडी में स्वच्छता कार्यक्रम एवं कार्मिकों तथा श्रमिकों सम्मान समारोह आयोजित

भिलाई,(आरएनएस)। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के आरईडी विभाग में दिनांक २९ मार्च २०२३ को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आरईडी के सभागार में उपस्थित सभी अधिकारी, कर्मचारी और ठेका श्रमिकों ने स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता शपथ ली। इसके पश्चात सुरक्षित कार्य करने और स्वयं के साथ साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ख्याल रखने वाले १२ ठेका श्रमिकों को सर्वोत्तम, अनमोल और दक्ष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

साई एंटरप्राइसेस के श्री राहुल को सर्वोत्तम पुरस्कार से नवाजा गया। इसके साथ ही आरईडी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आरईडी के श्री टी के मुखर्जी, लालता प्रसाद दिवाकर, श्री धन सिंह चंद्राकार को पाली शिरोमणि तथा श्री छन्नुलाल, श्री ध्रुव कुमार, श्री छन्नुलाल, श्री केटा प्रसाद राव, श्री सुरेश कुमार बंजारे, श्री बेनी प्रसाद पटेल कर्म शिरोमणि पुरस्कार से नवाजा गया। अंत में सभी अधिकारी, कर्मचारी और ठेका श्रमिकों ने श्रमदान करते हुए आरईडी के पास साफ-सफाई की।

समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (आरईडी) श्री अशोक गुप्ता ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें सभी को सुरक्षा के प्रति जागरूक होते हुए अन्य व्यक्तियों को भी प्रेरित करना है। उन्होंने कार्यस्थल को साफ रखने और सभी को पीपीई का उपयोग करते हुए कार्य करने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित कार्मिकों भी बधाई दी। समारोह में महाप्रबंधक श्री प्रशांत साहा, श्री आर गोपालकृष्णन व उप महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार अग्रवाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विभागीय सुरक्षा अधिकारी श्री भरत गोयल व कार्मिक अधिकारी सुश्री शालिनी चैरसिया द्वारा किया गया।

चैन स्नेचिंग करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, (आरएनएस)। बीते दिनों डीडी नगर थानाक्षेत्र के महादेव घाट के पास चैन स्नैचिंग करने वाले शातिर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके पास से एक सोने की चैन बरामद किया है। आरोपी इसके पूर्व भी कई मामलों में जेल जा चुका है।

मिली जानकारी के अनुसार गोकुल धाम रेसीडेन्सी महादेव घाट रायपुरा में रहने वाली शांति तंवर जो कि २६ मार्च को प्रातः करीबन ७:१५ बजे अकेले घुमने के निकली थी तथा खारून नदी पुल से महादेव घाट तिराहा की ओर से पैदल आ रही थी इसी दौरान महादेव घाट मेन रोड महामाया मेडिकल स्टोर्स के सामने बिजली खम्भे के पास सामने की ओर से स्कुटी में सवार दो लोग आये और शांति तंवर के पास आकर उसके गले से सोने की चैन को झपट्टा मारकर लेकर फरार हो गये। जिसकी शिकायत शांति तंवर ने थाना डीडी नगर में दर्ज करवाई थी जिसपर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा ३५६, ३७९ भादवि. का अपराध पंजीबद्ध कर उनकी तलाश शुरू कर दी थी।

चैन स्नेचिंग की घटना को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल द्वारा गंभीरता से लेते हुए अज्ञात आरोपियों की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना डी.डी. नगर पुलिस की संयुक्त टीम के सदस्यों द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थिया से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल सहित आस-पास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों को खंगालते हुए आरोपियों द्वारा फरार होने हेतु जिन मार्गो का उपयोग किया गया था उन मार्गो में भी लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों को खंगाला गया। टीम के सदस्यों द्वारा अज्ञात आरोपियों द्वारा घटना के दौरान उपयोग किये जाने एक्टिवा वाहन के संबंध में भी जानकारी एकत्र कर अज्ञात आरोपियों की पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास किये जा रहे थे। अज्ञात आरोपियों के संबंध में तकनीकी विश्लेषण करने के साथ ही मुखबीर भी लगाया गया। टीम के सदस्यों द्वारा तरीका वारदात के आधार पर चैन स्नेचिंग के पुराने व हाल ही में जेल से रिहा हुए लूट के आरोपियों के संबंध में भी तस्दीक कर इनकी गतिविधियों पर सतत् निगाह रखकर भी अज्ञात आरोपियों की पतासाजी करने के हर संभव प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान घटना में संलिप्त एक अज्ञात आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली तथा आरोपी की पहचान बोरियाखुर्द टिकरापारा निवासी शेख अख्तर उर्फ कल्लू के रूप में की गई, जो पूर्व में भी लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट एवं मारपीट के लगभग ७-८ मामलों में जेल जा चुका है। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा शेख अख्तर उर्फ कल्लू की पतासाजी कर पकड़ा गया। टीम के सदस्यों द्वारा चैन स्नेचिंग की घटना के संबंध में पूछताछ करने पर उसके द्वारा किसी भी प्रकार से अपराध में अपनी संलिप्तता नहीं होना बताकर टीम को लगातार गुमराह करने का प्रयास करता रहा किंतु टीम के सदस्यों द्वारा प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपनी महिला मित्र के साथ मिलकर चैन स्नेचिंग की उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की एक सोने की चैन एवं घटना में प्रयुक्त एक्टिवा वाहन जप्त कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया है। वहीं मामले में संलिप्त फरार युवती की तलाश की जा रही है।

व्यापार

एक्सप्रेसवे से लेकर एनएच पर सफर हुआ महंगा, कल से चुकाना पड़ेगा अधिक टोल टेक्स

नई दिल्ली : एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे पर आज आधी रात के बाद यानी एक अप्रैल से सफर करना महंगा हो जाएगा। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने १ अप्रैल से टोल टैक्स बढ़ा दिया है। अलग-अलग श्रेणी के वाहनों को पहले के मुकाबले पांच से १५ फीसद तक अधिक शुल्क देना पड़ेगा। वहीं, कम दूरी के लिए १० फीसद तक अतिरिक्त शुल्क देना होगा। दिल्ली-जयपुर, दिल्ली-हिसार, दिल्ली-आगरा, दिल्ली-बुलंदशहर और दिल्ली-चंडीगढ़ हाईवे पर भी टोल टैक्स बढ़ा है।

दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-मेरठ और

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर टोल दर बढ़ाने से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गई है। दिल्ली से हापुड़ जाने वाले चार पहिया वाहनों टोल टैक्स में ६.४५ फीसद की बढ़ोतरी की गई है। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर टोल टैक्स में पांच से सात फीसद की बढ़ोतरी की गई है। मुंबई एक्सप्रेसवे पर भी पांच फीसद का इजाफा हुआ है।

रियलमी ने अपना नया सेगमेंट सी५५ बाजार में उतारा

लखनऊ : देश के जानेमाने मोबाइल फोन ब्रांड रियलीमी ने ६४ मेगापिक्सल कैमरा और ३३ वॉट चार्जर के साथ अपने नये सेगमेंट रियलमी सी५५ का अनावरण किया।

नौ हजार ९९९ रूपये की शुरूआती कीमत वाले रियलमी सी५५ में १६जीबी तक की डाईनैमिक रैम के साथ ८जीबी प्लस १२८जीबी तक का स्टोरेज दिया गया है। मीडियाटेक हीलियो जी८८ चिपसेट, ३३ वॉट की सुपरवूक चार्जिंग, और ९० हट्‌र्ज़ के एफएचडी प्लस डिस्प्ले के साथ रियलमी सी५५ सेगमेंट का पहला स्मार्टफोन है, जिसमें इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा रिज़ॉल्यूशन के साथ ६४ मेगापिक्सल का कैमरा है।

रियलमी सी५५ रियलमी का पहला

फोन है, जिसमें चार्ज नोटिफिकेशन,डेटा यूसेज़ नोटिफिकेशन और स्टेप नोटिफिकेशन का मिनी कैप्सूल है। रियलमी सी५५ दो खूबसूरत रंगों सनशॉवर और रेनी नाईट में तीन स्टोरेज वैरिएंट्स, ४जीबी प्लस ६४जीबी में १०,९९९ रूपये में, ६जीबी प्लस ६४जीबी में ११,९९९ रूपये में और ८जीबी प्लस १२८जीबी में १३,९९९ रूपये में मिलेगा। रियलमी.कॉम और फ्लिपकार्ट पर प्रिऑर्डर २१ मार्च से २७ मार्च, २०२३ तक चलेंगे और फ्लिपकार्ट पर १००० रूपये का एक्सचेंज ऑफ मिलेगा जबकि रियलमी.कॉम पर एक हजार रूपये तक के बैंक ऑफर मिलेंगे।

दुर्लभ रोगों के इलाज की दवाओं पर सीमा शुल्क से छूट

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने दुर्लभ रोगों की सूची में रखे गए सभी रोगों के उपचार के लिए व्यक्तियों द्वारा निजी उपयोग के लिए आयात की जाने वाली सभी औषधियों एवं खाद्य सामग्रियों को सीमाशुल्क से पूरी छूट दे दी है।

सरकार ने भिन्न-भिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाले पेमब्रोलीजूमाब (केट्रूडा) को भी बुनियादी सीमा शुल्क से मुक्त कर दिया है।

वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने सामान्य छूट अधिसूचना के जरिये 'राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति २०२१द्ध के तहत सूचीबद्ध सभी दुर्लभ रोगों के उपचार के सम्बंध में निजी उपयोग के लिये विशेष चिकित्सा उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये सभी आयातित औषधियों और खाद्य सामग्रियों को सीमाशुल्क से पूरी छूट दे दी है।

इस छूट को प्राप्त करने के लिये, वैयक्तिक आयातक को केंद्रीय या राज्य निदेशक स्वास्थ्य सेवा या जिले के जिला चिकित्सा अधिकारी/ सिविल सर्जन से प्राप्त प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। दवाओं/ औषधियों पर आम तौर से १० प्रतिशत बुनियादी सीमा शुल्क लगता है, जबकि प्राणरक्षक दवाओं/ वैक्सीनों की कुछ श्रेणियों पर रियायती दर से पांच प्रतिशत या शून्य सीमा शुल्क लगाया जाता है।

स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी या डूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के उपचार के लिये निर्धारित दवाओं के लिये छूट प्रदान की जाती है, लेकिन सरकार को ऐसे कई प्रतिवेदन मिल रहे थे, जिनमें अन्य दुर्लभ रोगों के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाओं और औषधियों के लिये सीमा शुल्क में राहत का अनुरोध किया गया था। इन रोगों के उपचार के लिये दवायें या विशेष खाद्य सामग्रियां बहुत महंगी हैं तथा उन्हें आयात करने की जरूरत होती है। एक आकलन के अनुसार १० किलोग्राम वजन वाले एक बच्चे के मामले में कुछ दुर्लभ रोगों के उपचार का वार्षिक खर्च १० लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये से अधिक तक हो सकता है। यह उपचार जीवन भर चलता है तथा आयु एवं वजन बढ ? के साथ-साथ दवा तथा उसका खर्च भी बढ़ता जाता है। इस छूट से खर्च में काफी कमी आ जायेगी तथा मरीजों को राहत मिलेगी।

भिन्न-भिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाले पेमब्रोलीजूमाब (केट्रूडा) को भी बुनियादी सीमा शुल्क से मुक्त कर दिया गया है।

आईनॉक्ससीवीए गुजरात में लगा रही है २०० करोड़ रुपए का नया कारखाना

नयी दिल्ली : गैसों के अति शीतल (क्रायोजेनिक) अवस्था में भंडारण, वितरण और पुनर्गैसीकरण के टैंक और उपकरण बनाने वाली भारतीय कंपनी आईनॉक्ससीवीए ने बडोदरा (गुजरात) में सावली में अपने नये काखाने का निर्माण-कार्य शुरू किया है। यह इस क्षेत्र में विश्व की अग्रणी कंपनियों में स्थान रखती है।

कंपनी ने जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि सावली में २०० करोड़ रुपये के निवेश से बनाए जा रहे नए कारखाने के भूमिपूजन समारोह की अध्यक्षता कंपनी के निदेशक सिद्धार्थ जैन ने की। कंपनी ने कहा है कि यह कारखाना ३० एकड़ क्षेत्र में लगाया जा रहा है और यह देश में क्रायोजेनिक उपकरणों (टैंक) के निर्माण का सबसे बड़ा कारखाना होगा।

इस कारखाने में सालाना २० हजार टन स्टेनलेस स्टील का फैब्रिकेशन करने की सुविधा होगी और वहां से हर साल २५०० क्रायोजेनिक उपरकण विनिर्मित किए जा सकेंगे। इस कारखाने के लिए गुजरात सरकार और कंपनी के बीच गत २० फरवरी को मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की उपस्थिति में समहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे।

नये कारखाने से देश में लिक्विड नाइट्रोजन, लिक्विड आर्गन, लिक्विड कार्बन डाइऑक्साइड और लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन जैसी क्रायोजेनिक गैसों के भंडारण और परिवहन समाधानों के विनिर्माण की क्षमता बढ़ेगी। इससे देश के चिकित्सा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। श्री जैन ने कहा कि इस अत्याधुनिक क्रायोजेनिक उपकरण कारखाने से गुजरात में रोजगार के अवसरों

विद्युत बसों में अग्नि सुरक्षा क्षमता विकसित करने का कार्यक्रम शुरू

नयी दिल्ली : देश में सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों में विद्युत बसों (ई-बस) का इस्तेमाल बढ ? की संभावना को देखते हुए भारी उद्योग मंत्रालय ने कुछ चुनिंदा संगठनों के साथ मिल कर ई-बस अग्नि सुरक्षा क्षमता निर्माण का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू कराया है।

एक विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम में जर्मनी के संगठन जीआईजेड और भारतीय कंपनी कंवर्जेंस इलेक्ट्रिक सर्विसेज लिमिटेड की मदद ली जा रही है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि हाल ही में दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम मास्टरिंग इलेक्ट्रिक बस फायर सेफ्टी की शुरुआत ऑटोमोटिव स्किल्स डेवलपमेंट काउंसिल (एएसडीसी) के सहयोग से की गयी।

अलग-अलग लक्षित ग्रुप के लिए तीन चरणों में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उच्च वोल्टेज और अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन तैयारी, रखरखाव, चार्जिंग सुविधाओं पर सुरक्षा और संचालन में सुरक्षा, विद्युतीकरण शामिल किया गया है। बयान में उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. हनीफ कुरैशी के हवाले से कहा गया है कि अप्रैल २०१९ में फेम इंडिया योजना के दूसरे चरण की शुरुआत करते हुए मंत्रालय ने अगले पांच वर्षों के लिए आवंटित १०,००० करोड़ रुपये में से ३,५०० करोड़ रुपये बसों के लिए आवंटित किए थे। योजना के माध्यम से ७,०९० बसों को खरीदने के लिए सहयोग करना था और अब तक ,२१० बसों की खरीदारी हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों की लागत और सुरक्षा समेत कई चुनौतियां हैं, इस दिशा में भी मंत्रालय काम कर रहा है।

शेयर और मुद्रा बाजार में कारोबार स्थगित

मुंबई :रामनवमी पर्व के उपलक्ष्य में आज अवकाश होने के कारण शेयर और मुद्रा बाजार में कारोबार स्थगित रहा।

बीएसई अवकाश कैलेंडर के अनुसार, रामनवमी त्योहार होने से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार नहीं हुआ। इसके साथ ही मुद्रा विनिमय बाजार में भी कारोबार स्थगित रहा। कारोबारियों ने बताया की शुक्रवार से शेयर बाजार और मुद्रा बाजार में कारोबार होगा।

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA)
Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). **Editor-Abinash Mishra** Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,

मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रति तथा दुर्गा माधब प्रीण्टर्स आट-बज्रक बाटी रोड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशीत थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र

Bhubaneswar Office: Plot-493,Sarathi Market Complex, Govinda Prasad,Bomikhal Bhubaneswar-10 Chatttishgarh Office:At/Po- Panchavati BiharWard No-29 ,Mahasamund-493445